राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 7
खूनी खिलौने
एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त
सुपर कमांडो ध्रुव

Hii Dear Friends,
This is the community for all those
out their with a passion for RajComics..
for all those who are willing to support
the comics industry by purchasing new comics
and sharing the old gems with fellow comic lovers!

Let's bring Rajcomics to its former glory..
Let's bring back our childhood memories..
Let's together inherit the tradition..and share the janoon!

Here You will find all New and Old Comics of Nagraj,Dhruv,Doga,
Parmanu,Steel,Gamraj,Shakti,Kobi-Bhediya,Bhokal,Bankelal,
Chacha Chaudhary,Billoo,Pinki,Ram-Rahim,Crookbond,Tausi,
Angara,Jamboo, and Many Many Many more Super Heroes.

Catch Out New Set Releases first Only in RCJ Community..
And many more weekly and Monthly Comics Marathon/Utsav.

So come forward and join Our Comics Janoon Team
RAJCOMICS HAI MERA JANOON
http://teamrcj.com

खूनी खिलौने

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा | संपादन : मनीष चंद्र गुप्त

अधिकतर अपराधों की कहानी रात के अंधेरे से ही शुरू होती है।
क्योंकि रात में सोने वाले बहुत ज्यादा होते हैं, और जागने वाले कम।
कर्नल वर्मा का घर यही है, राहू!
इसके अंदर घुसना तो बाएं हाथ का खेल है, केतु!

और कुछ ही देर बाद - मकान के अंदर के अंधकार में दो जोड़ी आंखें कोई खास चीज ढूंढ रही थीं।
हमारी इंफार्मेशन के मुताबिक उसको ड्राइंग-रूम में ही रखा होना चाहिए।
यह रही!
वेरी गुड!
काम बहुत आराम से हो गया!

अब यहां से फटाफट बाहर निकल...
तभी कमरे की बत्तियां जल उठीं।
रुक जाओ!
अब अगर एक इंच भी हिले,...

...तो मैं गोली चला दूंगा!
लेकिन कर्नल वर्मा की इस धमकी का राहू-केतु पर कोई असर नहीं पड़ा।
आओ, केतु! अब यहां पर और देर रुकने से कर्नल साहब की नींद खराब होगी।

अपनी चेतावनी का असर न होता देखकर कर्नल वर्मा की उंगली ट्रिगर पर दब गई।
लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला।
अरे! ये दोनों बुलैट प्रूफ पोशाक पहने हुए हैं!
धांय
धांय
राहू, किसी ने गोलियों की आवाज सुन ली तो गड़बड़ हो सकती है। इसको चुप कराना होगा।

अब मेरा शक पक्का हो गया है।

उस घर से दो आदमी बाहर निकल रहे हैं।

इस नाटक को तो मैं यहीं पर खत्म कर देता हूं।

राहू-केतु अपनी गाड़ी की तरफ लपके।

पर उनको बीच में ही रुक जाना पड़ा।

ठक

ध्रुव!

तुम जैसे गुंडे, मेरे शहर में अगर छींकते भी हैं, तो मुझे पता चल जाता है।

राहू! हमको इसे भी रास्ते से हटाना होगा।

अभी लो! मैं इस को भी रास्ते से हटा देता हूं।

लेकिन ध्रुव और कर्नल वर्मा में थोड़ा फर्क था।

खट्.

और फिर- ध्रुव का हाथ राहू के शरीर से आ टकराया।

लेकिन नुकसान ध्रुव के हाथ को ही हुआ।

ठक

आऊ!

ये पोशाकें तो किसी बहुत सख्त चीज की बनी हैं।
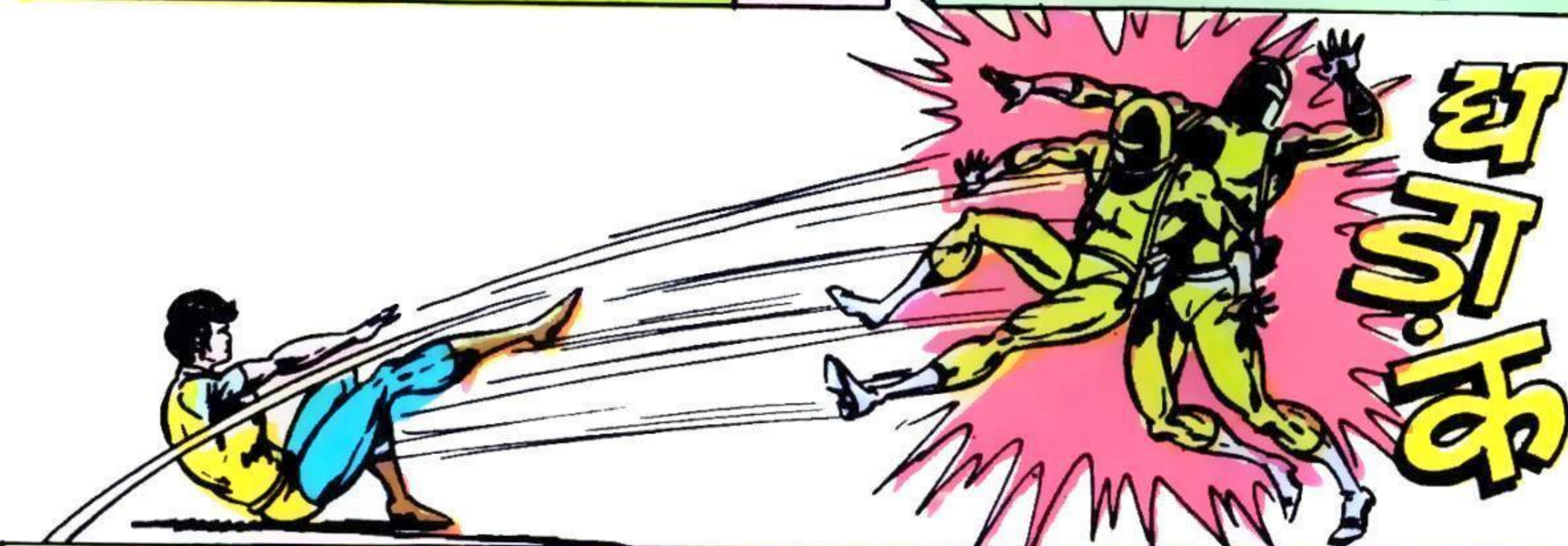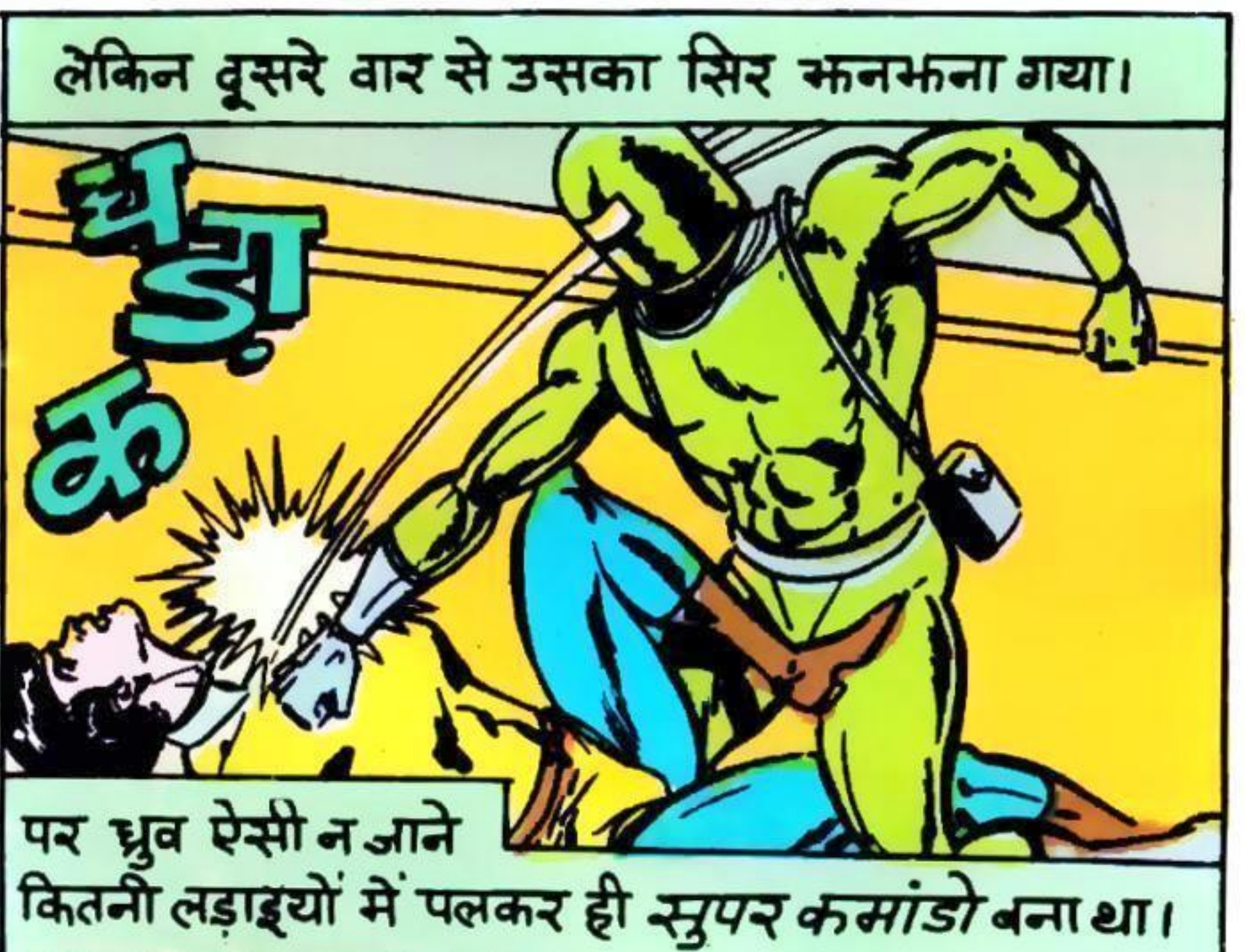
अगले ही पल- हवा में उड़ता हुआ राहू का शरीर, असावधान खड़े केतु के शरीर से आ टकराया।

राहू, भागो। अभी इससे लड़ने में समय खराब करना मूर्खता है।

तड़

भाग कर कहां जाओगे? तुम्हारा पीछा तो मैं जहन्नुम तक भी नहीं ... ओह!

राहू के फाइबर सूट से एक ज्वलनशील पदार्थ की मोटी धार निकली।

और पलक झपकते आग की लपटों की एक ऊंची दीवार खड़ी हो गई।

फायरप्रूफ फाइबर की पोशाक पहने राहू-केतु के लिए, आग की दीवार को पार करना कोई समस्या नहीं थी।
लेकिन ध्रुव की पोशाक फायरप्रूफ नहीं थी।...
... वह राहू केतु को भागते देखने के अलावा कुछ नहीं कर सकता था।

सिवाय छानबीन के।
... चोरी तो हुई है, ध्रुव! लेकिन सिर्फ एक चीज की। तुम्हारी मूर्ति की!
मेरी मूर्ति की?
हां। वही जिसको मेरे बेटे ने पिछले हफ्ते निशानेबाजी प्रतियोगिता में जीता था।

ओह! अब मुझे याद आया। उस निशानेबाजी प्रतियोगिता में चार प्रथम पुरस्कार थे। मेरी खास तौर पर बनाई गई चार मूर्तियां।
और उनको अलग-अलग निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में चार बच्चों ने जीता था।
पर उन मूर्तियों में चुराने लायक तो कोई खासियत नहीं थी।

कुछ तो होगी ही, ध्रुव!
ये मामूली चोर नहीं थे, कर्नल! बुलैटप्रूफ और फायरप्रूफ सूट पहनकर कोई मामूली मूर्ति चुराने नहीं आता।
आखिर यह चक्कर क्या है?
सिर चकरा देने वाला चक्कर है, ध्रुव!

इंस्पेक्टर!
तुम्हारा मैसेज मिलते ही हम चल पड़े थे, ध्रुव! और देखो, यहां से थोड़ी दूर पर हमको क्या मिला। तुम्हारी मूर्ति के चिथड़े!
क्या?
इतनी मेहनत सिर्फ मूर्ति के चिथड़े करने के लिए?

लगता है कि किसी पागल अपराधी को तुम्हारी मूर्ति तक से चिढ़ हो गई है, ध्रुव!
नहीं, इंस्पेक्टर! मामला कुछ और ही है।
कोई गहरा और खतरनाक मामला!

ध्रुव का आभास कभी गलत नहीं होता था।
क्योंकि उसी वक्त- राजनगर तट से कुछ कि॰मी॰ दूर स्थित 'सींग द्वीप' में स्थित अभेद्य 'नारका जेल' में। जहां पर देश के सिर्फ सबसे खतरनाक कैदियों को रखा जाता था—
हमने चारों मूर्तियों का पता लगा लिया है, वामन!
राहू-केतु एक मूर्ति उठाने में कामयाब भी हो गए हैं! लेकिन…

लेकिन क्या?
लेकिन बदकिस्मती से उनकी मुठभेड़ ध्रुव से हो गई।…पर चिंता की कोई बात नहीं है!
वे ध्रुव से बचकर भाग आए!
तुम अव्वल दर्जे के मूर्ख हो, वकील!
यह काम चुपचाप होना चाहिए था।

अब बाकी तीन मूर्तियों को उठाना इतना आसान नहीं होगा।
क्योंकि अब ध्रुव उन मूर्तियों के बारे में जान गया है।
मुझे अब किसी न किसी तरह से इस जेल से निकलना होगा।
आज इस जेल में एक नया कैदी आ रहा है! प्रो॰ काले उर्फ ध्वनिराज!

वेरी गुड! नया कैदी आने पर अधिकतर गार्डों का ध्यान उसी पर लगा रहता है।
यहां से फूटने का सबसे अच्छा मौका आज ही है!

और शाम को- एक पुलिस बोट सींग द्वीप की तरफ बढ़ रही थी।
काले का इंटरव्यू तो हो गया, चंडिका! अब जेल की कुछ फोटो खींचने के बाद मेरा आर्टिकल पूरा हो जाएगा।
और काले को सुरक्षित जेल पहुंचा देने के बाद मेरी ड्यूटी भी खत्म हो जाएगी।

और कुछ देर बाद–
यह किसका सेल है, इंस्पेक्टर? इसमें तो खिलौने ही खिलौने भरे हैं।
यह वामन का सेल है। इस जेल का सबसे बुद्धिमान और खूंखार कैदी! वह रहा।
इसको जब तक खिलौने न दिए जाएं, तब तक यह हंगामा करता ही रहता है।
खिलौनों से इसको इतना लगाव है कि यह अपने सारे अपराध भी खिलौनों से ही करता है।
RAJ TOYS

लगता है कि उम्र के साथ-साथ, कद न बढ़ने के कारण इसका खेलने का शौक अभी खत्म नहीं हुआ है। हा हा हा हा!
हंस लो, मूर्खो, हंस लो! अभी वामन का खेल शुरू होने में कुछ मिनट बाकी हैं।
कुछ मिनटों बाद वामन रिहा हो जाएगा, ...
...और मेरे ये खिलौने ही मेरी रिहाई का फरमान बनेंगे। ...

... क्योंकि अब ये खिलौने, मामूली खिलौने नहीं रहे!
मैंने इनको उन घातक हथियारों में बदल दिया है, ...
जो मेरे रास्ते में आने वाले हर शख्स को मौत की नींद सुला देंगे!

रास्ता साफ है, और अब वामन का खेल शुरू होता है।
चल मेरे यो-यो! दिखा दे अपने कमाल को।
हवा में उड़ता हुआ 'यो-यो' गार्ड की गर्दन पर आ लिपटा।
और एक झटके से गार्ड का शरीर पीछे खिंचने लगा।

कुछ ही पलों बाद - वामन, गार्ड की जेब से चाबी निकाल रहा था।

इस घटना से अंजान नताशा और चंडिका, ध्वनिराज में व्यस्त थीं।
यह आखिरी फोटो कल के 'इंडियन टाइम्स' के फ्रंट पेज पर आएगी।
मेरा भी काम पूरा हो गया है।
अब हमको यहां से चलना चाहिए।

तभी -
घर्रर्रर्रर्रन
ओ माई गॉड!
यह तो इमर्जेंसी अलार्म है!!

मामला इमर्जेंसी वाला ही था।
रुक जाओ, वामन! और अपने सेल में वापस लौट जाओ। वर्ना हमको गोली चलाने पर मजबूर होना पड़ेगा।
मेरी फौज तुमको इसका मौका नहीं देगी।
इन खिलौनों को तुम फौज कहते हो, वामन?

खिलौनों से खेलते-खेलते तुम्हारा दिमाग सचमुच खराब हो गया है, वामन!
हा हा हा हा हा!
तुम्हारी बत्तीसी तो मैं अभी झाड़ देता हूं, पुलिसिए!

और अगले ही पल—
नारका जेल में तूफान फट पड़ा।
ब
ड़ा
म
हे भगवान!
इस खिलौने वाली तोप से तो सचमुच के गोले छूट रहे हैं!!

ये खिलौने वाले सिपाही भी असली माइक्रो-बुलैट' दाग रहे हैं।
और ये हवाई-जहाज, कंचे जितने बड़े असली बम गिरा रहे हैं।

आश्चर्यचकित सुरक्षाकर्मियों को अपने बचाव तक का मौका नहीं मिला।
भड़ाक
धाड़

चंडिका और नताशा के घटनास्थल पर पहुंचने तक मैदान साफ हो चुका था।
यह तो वही है, चंडिका।
खिलौने वाला बौना!

तभी—
बचो, नताशा!
ये रोबोट असली लेसर किरणें छोड़ रहा है!
कड़ाक
हाहाहाहा! तुम दोनों अगर यहां पर न आतीं, तो कुछ और दिन जिंदा रह लेतीं।
पर अब मेरी सेना तुमको जिंदा नहीं छोड़ेगी!

ये खिलौने अब हमपर हमला कर रहे हैं, नताशा!
तो करने दो!
तुम टैंकों को संभालो, और मैं प्लेनों को संभालती हूं।
मूव!
तोपों से निपटना कोई मुश्किल काम नहीं है!
नताशा ने खुद मुश्किल काम लेकर, मुझे आसान काम दे दिया है!
एक तोप की नली से गोला छूटने को तैयार हुआ, और उसी पल चंडिका का पैर घूमा। गोला एक दूसरे निशाने की ओर बढ़ चला। और —
तड़
बड़ाम
एक टैंक तो गया! अब दूसरा ...
आह!
टैंक, चंडिका की उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज थे।
धमाड़
भड़ाक
ओ माई गॉड!
चंडिका को टैंक ने घायल कर दिया है!
और कुछ ही पलों में मेरा भी यही हाल होने वाला है। क्योंकि ये खिलौने संख्या में बहुत ज्यादा हैं।
इनको ऐसे खत्म कर पाना संभव नहीं... एक मिनट!
यह बौना, इन खिलौनों को अपनी बेल्ट में लगे कंट्रोलों से नियंत्रित कर रहा है।
अब मुझे वार करने की सही जगह मिल गई है।

अगले ही पल - हवाई हमलों से बचती नताशा, बौने और रोबोट के बीच में आ गिरी।
रोबोट नताशा की तरफ घूमा।
और उसमें से एक लेसर किरण निकल कर नताशा की तरफ बढ़ चली।

नताशा का शरीर एक बार फिर हवा में उछला।
और लेसर किरण ने बौने की बेल्ट के चिथड़े उड़ा दिए।
कड़ाक
रिमोट-कंट्रोल के नष्ट होते ही सारे घातक खिलौने अपने-अपने स्थानों पर रुक गए।

खेलने का टाइम खत्म हो गया, मुन्ने राजा!
अब तुम मेरी गोदी में आ जाओ। मैं तुमको तुम्हारे सेल तक पहुंचा दूंगी।
तूने अभी वामन के बारे में सुना नहीं है, छोकरी! ...

... वर्ना तू यहां पर रुकने तक का साहस नहीं करती।
वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचा कर रखता है।

पर अब तक चंडिका संभल चुकी थी।
ओह! नताशा से बचकर वामन भाग रहा है!
पर उस तरफ तो कॉरीडोर खत्म हो जाता है।
उधर भागने का कोई रास्ता नहीं है।
पर कुछ भी हो! मैं इसको भागने नहीं दूंगी!

चंडिका का हाथ घूमा। और एक टैंक तेजी से फिसलता हुआ, भागते वामन के पैर के नीचे आ गया।

और उसपर से फिसल कर वामन...
आऽऽऽऽऽ
?

...कोरीडोर के अंत में लगे शीशे को तोड़ता हुआ बाहर निकल गया।
छनाक
ओ माई गॉड! वामन बाहर गिर गया है। और हम लोग चौथी मंजिल पर हैं!
इतनी ऊपर से गिरकर तो इस का राम नाम सत हो जाएगा!

बाहर झांकते ही चंडिका के चेहरे पर आश्चर्य के भाव उभर आए।
कमाल है! मुझे यह सब देखकर भी यकीन नहीं हो रहा!
क्या हुआ, चंडिका?
बाहर देखोगी, नताशा, तो खुद ही समझ जाओगी!

बाय, बाय, लड़कियो!
मैंने कहा था न, कि वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है।

देखते ही देखते तेज गति से उड़ता हुआ वामन आंखों से ओझल हो गया।

वामन के भागने की खबर, जंगल की आग की तरह पूरे शहर में फैल गई।
डैम इट!
वामन 'नारका जेल' जैसी सुरक्षित जगह से, खिलौनों की मदद से भाग निकला?
लगता है कि मेरी किस्मत में जरा सा भी आराम नहीं लिखा है।

पहले मेरी 'मूर्ति' की चोरी।
और अब वामन का खिलौनों की मदद से भागना!
दोनों ही जगह खिलौने! क्या इन दोनों घटनाओं का आपस में कुछ संबंध है?
अगर होगा, तो हमें जल्दी ही पता चल जाएगा।
वामन, काम तुरंत निपटाने में यकीन करता है।

वामन के बारे में इंस्पेक्टर का ख्याल एकदम सही था।
वेलकम, बॉस!
आपके बगैर यह अड्डा एकदम सूना पड़ा था।
मक्खनबाजी छोड़ो, राहु-केतु!
काम की बात करो। उस मूर्ति से काम बना या नहीं?
नहीं बना, बॉस!

तब हमको दूसरी मूर्ति को हासिल करना होगा। और अगर उससे भी काम नहीं बना, तो फिर तीसरी, और चौथी भी!... कर्नल वर्मा के बाद अब किसका नंबर है?
रायसाहब श्यामसुंदर का!
और कल उसके बेटे का जन्मदिन भी है! एक बड़ी पार्टी भी होगी।

वेरी गुड! एकदम फर्स्ट-क्लास मौका है।
शनि! तुम कल उस पार्टी में एक गिफ्ट लेकर जाओगे! यह खिलौना!
छोटा सा गुरिल्ला!
प्यारे बच्चे को वामन अंकल की तरफ से सप्रेम भेंट!
हाहाहा हाहा!

ध्रुव, वामन के इस प्लान से अंजान था।
लेकिन फिर भी, ध्रुव और वामन के रास्ते एक दिन बाद कटने वाले थे।
लो! भइया भी आ गया!
इसमें क्या खास बात है? मैं तो रोज ही आता हूं।
पर आज तुम एक घंटे बाद आते, तो हम लोग तुम को नहीं मिलते!

'नहीं मिलते' का मतलब?
मतलब पापा को एक 'सरप्राइज इंस्पेक्शन' पर जाना है! और मम्मी भी उनके साथ ही जा रही हैं। और मैं कुछ दिनों के लिए नताशा के साथ रहने जा रही हूं
नताशा के साथ क्यों रहना है?
मेरे साथ क्यों नहीं रहना?
क्योंकि मुझे झगड़ालू लोगों के साथ अकेले रहने से डर लगता है!

...पर सच बात तो यह है, कि वहां से मुझे 'वामन' को ढूंढने में ज्यादा आसानी रहेगी।
यह सब तो ठीक है! पर फिर कल रायबहादुर श्यामसुंदर की पार्टी में कौन जाएगा?
वैसे तो मैं और तुम्हारे पापा ही जाते!
पर अब तुम को ही जाना पड़ेगा, बेटे!
हे भगवान! यह कहां फंसा रहे हो?

पार्टी में तो जाना ही पड़ेगा, ध्रुव! वर्ना श्यामसुंदर बुरा मान जाएंगे। आखिर दुनियादारी भी तो कोई चीज है!
ओ॰के॰, पापा! मैं चला जाऊंगा!...
एक बोर पार्टी में शामिल होने के लिए!

ध्रुव का ख्याल जल्दी ही गलत साबित होने वाला था। क्योंकि अगले दिन शाम को -
हैप्पी बर्थडे, बेटा!
थैंक्यू, अंकल!
बर्थ डे पर शानू को दर्जनों खिलौने मिलेंगे, ध्रुव! पर इसका फेवरिट खिलौना फिर भी वही रहेगा।... तुम्हारी मूर्ति!
मेरी मूर्ति?
कौन सी श्यामसुंदर जी?

अरे, वही मूर्ति, जो शानू ने निशानेबाजी प्रतियोगिता में जीती थी।
ओ गॉड!
वैसी एक मूर्ति आपके पास भी है?
मेरे नहीं, शानू के पास! पर...

शायद किस्मत मुझको सही जगह पर ले आई है।
मेरी छठी इंद्रिय भी यही कह रही है कि खतरा आसपास ही है!
पर कहां?

एक मिनट!
वह बच्चा!
वह बच्चा नहीं है! मुझे उसके हाथ पर बाल दिखाई दे रहे हैं!
यानि यह...

... बौना है!
बौना वामन!!
ओफ्! आइस क्रीम भी पूरी नहीं खाने दी!

और देखते ही देखते-गुरिल्ले का सिर बीस फुट ऊंची छत को छूने लगा।

मेहमानों की भीड़ बदहवास होकर भागने लगी।

ठक

फड़

चियांयांयांयां

यह खिलौना तो एक दूसरा आदमी लेकर आया था। इस वक्त वह कहीं पर दिखाई भी नहीं पड़ रहा है।

इसका मतलब कि वह जरूर मेरी मूर्ति ढूंढने अंदर गया है। पर इस वक्त उसको पकड़ने से ज्यादा जरूरी इस गोरिल्ले

अगले ही पल ध्रुव का सोचता हुआ दिमाग सोचने लायक नहीं रहा।
तड़.
आह!
यह तो बहुत फुर्ती से मारता है! मुझे इस की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी।
ध्रुव के संभल पाने से पहले ही दूसरा वार भी ध्रुव के शरीर से आ टकराया।
इस दूसरे वार ने ध्रुव को लगभग बेहोशी के कगार पर पहुंचा दिया।
धड़ाक!
ओफ! ऐसा लगता है जैसे मेरे सिर पर पूरी बिल्डिंग आ गिरी हो।
मैं इसको तीसरा वार करके अपनी जान निकालने की इजाजत नहीं दे सकता!
भागो, कमांडो! और बचो।
पर मैं तुमको बचने नहीं दूंगा!
अगर तुम जिंदा बच गए, तो मेरे आगे के प्लानों में भी अड़ंगा डालोगे।
इसीलिए तुमको मरना होगा, सुपर कमांडो ध्रुव!
चट!
और यह खतरनाक गुरिल्ला मुझे मारने में कोई कसर उठा नहीं रखेगा।
इसको तुरंत रोकना होगा। और इसको रोकने का पहला कदम इसके 'कदम उखाड़ना' है!
ध्रुव ने ऊपर से तोड़कर, एक झालर, गोरिल्ले के पैर में फंसा दी।
और एक शक्तिशाली झटके से, विशालकाय खिलौना जमीन पर आ गिरा।
धड़ाम्म
यह एक इलेक्ट्रानिक खिलौना है!
और इसको रोकने का दूसरा कदम, इसके सर्किट को खत्म करना है।

ओह! अगर यह लड़ाई लंबी खिंच गई, तो शायद ध्रुव मेरे खिलौने पर काबू पा लेगा! अब मुझे इस पर जल्दी से जल्दी काबू करना पड़ेगा।

अच्छा! तो वामन, इस गुरिल्ले को अपनी रिमोट कंट्रोल बेल्ट से चला रहा है!!

अगर मैं इसकी बेल्ट तक पहुंच सकूं, तो...

ध्रुव का ध्यान पलभर के लिए गुरिल्ले पर से हटा।-

और यह गलती उसको बहुत महंगी पड़ी।

एक विशालकाय पंजे ने ध्रुव के शरीर को अपने शिकंजे में कस लिया।

फिर शिकंजा तेजी से ध्रुव पर कसने लगा। पर ध्रुव बिना लड़े हार मानने वालों में से नहीं था।
आ ऊ
लेकिन यह लड़ाई बेकार थी।
क्योंकि गुरिल्ला बुलेटप्रूफ रबर का बना था।

हाहाहा! लड़ो, ध्रुव। और लड़ो।
पर तुम्हारे किसी भी वार का इस पर कोई असर नहीं होगा। ...
...क्योंकि यह ज़िंदा नहीं, खिलौना है!

बौना सही बोल रहा है! आह! इस खिलौने की जकड़ तो मुझपर मजबूत होती ही जा रही है।
ऐसे तो यह कुछ ही सेकंडों में मेरी जान निकाल देगा!
और मैं इसकी जान नहीं निकाल सकता!
क्योंकि इसमें जान है ही नहीं!! इस... रुको!

इसमें जान है! यह एक चलता फिरता इलेक्ट्रानिक खिलौना है।
और इसकी जान है, ... इस की बैटरी!
ऐसे खिलौने बगैर बैटरी के नहीं चल सकते!
और मैं शर्त लगा कर कह सकता हूँ, कि यह इसका 'बैटरी कंपार्टमेंट' है।

ध्रुव की एक तेज ठोकर से बैटरी कंपार्टमेंट के चिथड़े उड़ गए, और बैटरी बाहर निकल कर दूर जा गिरी।
तड़
बैटरी निकलते ही...

...गुरिल्ले का विशालकाय शरीर फिर से तेजी से छोटा होने लगा।
ओफ़! इस बार तो लगता था कि मैं अपनी मौत को टाल नहीं पाऊंगा!

ओह! इसने मूर्ति वामन की तरफ उछाल दी है, और अब वामन उसे लेकर भाग रहा है।
अब मुझे वामन के पीछे जाना होगा!
तड़ाक

पर बाहर-
वामन तो काफी तेज गति से भाग रहा है!
इसने अपने पैरों में इंजन लगे स्केट्स बांध रखे हैं। पर मेरी मोटरसाइकल में इससे बड़ा इंजन लगा है!
घर्रर्रर्र

तुम जरा विश्राम करो, मेहमानजी!
तब तक मैं तुम्हारे बॉस को भी ले आता हूं!
धाड़

घर्रर्रर्र

ध्रुव मोटरसाइकल पर कई आश्चर्यजनक करतब दिखा सकता था।

पर *गोल* कंचों पर मोटरसाइकल चला पाना उसके भी बूते से बाहर की बात थी।

अच्छा! तो वामन समझता है कि वह मुझे *कंचों* से मात दे सकता है?

पर मुझसे पीछा छुड़ाना इतना आसान नहीं है।

अब ये कंचे ही मुझको वामन तक पहुंचाएंगे।

और फिर-

बाप रे! इस लड़के के सिर में दिमाग लगा है या कंप्यूटर?

अब तो यह और तेजी से मेरे पीछे आ रहा है!

लेकिन सिर्फ कुछ सैकंडों के लिए, कमांडो!...

सटट!

अरे! अब इसके रोलर-स्केट्स में स्प्रिंग निकल आए!!

और यह कंगारू की तरह उछल-उछल कर भाग रहा है!

टप

ठक

मुझको पकड़ने से ज्यादा आसान लोहे के चने चबाना है, ध्रुव!

क्योंकि वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है!

परंतु पीछे देख रहा वामन, अपने आगे नहीं देख पा रहा था।

ठक

जहां सड़क के किनारे रखे कोलतार के ड्रमों में से एक ड्रम सड़क पर आ गिरा था।

वर्ना इसको जेल से भागने देने के लिए मैं अपने आप को दोषी मान रही थी!

अरे! तुम दोनों तो ऐसे बात कर रहे हो, जैसे तुमने मुझे पकड़ लिया है!

तो तुम समझते हो कि तुम, हम दोनों से बचकर भाग सकते हो ?

वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है!

तुम्हारी महान ट्रिक अगर यह खिलौने वाली पिस्तौल है, ...

...तो कोशिश कर ....

वामन ने ट्रिगर दबाया और पिस्तौल से एक सक्शन कैप निकल कर सैकड़ों फीट हवा में ऊपर उछल कर -

बहुमंजिली इमारत की छत पर जा चिपकी।

और डोरी वापस पिस्तौल में सिमटने लगी।

बाय, बाय, कमांडो!

मेरे जूते और स्केट्स संभाल कर रखना, कमांडो। मैं इनको वापस लेने जरूर आऊंगा।

अब हम इसको नहीं पकड़ पाएंगे, चंडिका!
लेकिन अब एक बात तो स्पष्ट हो गई है, कि वामन का मुख्य मकसद मूर्तियों को चुराना है। पर क्यों?

इस सवाल का जवाब पुलिस के पास भी नहीं था।
..रायबहादुर जी का फोन आते ही हम यहां पहुंच गए थे। पर वह गंजा आदमी, तब तक यहां से भाग चुका था।
यह तो उसी से पता चल सकता था कि वामन और मूर्तियों में क्या संबंध है!
वामन किस जुर्म में जेल गया था, इंस्पेक्टर?

रक्षा मंत्रालय के 'मेन कंप्यूटर सेंटर' से एक गुप्त फाइल चुराने के आरोप में।
चोरी तो उसने बखूबी की थी। लेकिन गलती से एक अलार्म बज जाने से सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए।

वामन वहां से भागा। पर सुरक्षाकर्मियों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। वामन भाग कर एक खिलौना फैक्ट्री में छुप गया।

उस समय तक पूरा एरिया सील किया जा चुका था। आखिरकार वामन को उस फैक्ट्री से पकड़ कर उस फाइल को बरामद कर लिया गया। और वामन को 'नारका जेल' भेज दिया गया।

उस फैक्ट्री का क्या नाम था?
राज टॉय फैक्ट्री!
बीप बीप
ओह! तो यह बात है!
क्या बात...
ओह! मेरे वायरलैस पर हैडक्वार्टर से मैसेज आ रहा है।

क्या?
उनको ठीक से तो पहचाना है न? .... ओ.के.! मैं अभी आता हूं!
क्या हुआ, इंस्पेक्टर?

कहते हैं न कि मुसीबत अकेली कभी नहीं आती! अपने भाई-बहनों को साथ लेकर आती है!
इस बार मुसीबत अपने साथ दो भाइयों को लेकर आई है!
हमारे दो दुश्मन देशों के खतरनाक एजेंट मामूद और चुंग को आज राजनगर में देखा गया है।
अब उन पर नजर रखने के लिए, और पुलिस फोर्स का इंतजाम करना पड़ेगा।

मुझे तुरंत पुलिस हैडक्वार्टर जाना होगा।
हम भी चलते हैं, इंस्पेक्टर! अगर कोई खबर मिले तो मुझे तुरंत सूचित करना।

और फिर-
तुम 'राज टॉय फैक्ट्री' का नाम सुन कर चौंक क्यों पड़े थे, ध्रुव?
क्योंकि जिस 'राज टॉय फैक्ट्री' में वामन भागकर छिपा था, उसी 'राज टॉय फैक्ट्री' ने मेरी चारों मूर्तियों को बनाया है!

पर उन मूर्तियों में क्या चमत्कार है, इसका जवाब तो सिर्फ वामन ही दे सकता है!
अब वामन को पकड़ने के लिए हमको जाल बिछाना ही पड़ेगा!

फिर कमांडो हैडक्वार्टर में-
तुम लोग सब ठीक से समझ गए न, पीटर और करीम?
यस, कैप्टेन!
तो तुम लोग तुरंत निकल जाओ। वक्त बहुत कम है!

पीटर और करीम के जाने के बाद ध्रुव, नताशा और चंडिका की तरफ मुड़ा।
चार मूर्तियों में से दो मूर्तियां वामन पहले ही ले जा चुका है। अब दो मूर्तियां ही बची हैं।
जिनमें से एक उद्योगपति पुरिया के पास है, और दूसरी मूर्ति.... श्वेता के पास!
अब हमको यह नहीं पता कि वामन कहां पर पहले हमला करेगा!

इसलिए दोनों जगह पर एकसाथ ही निगरानी करनी पड़ेगी।
मैंने सोचा है कि पुरिया के घर की निगरानी तुम दोनों करोगी, और श्वेता की मूर्ति की निगरानी मैं।
ठीक है, ध्रुव! बेस्ट ऑफ लक!
सेम टू यू!

बौना वामन, ध्रुव से पहले ही अपनी योजना पर काम शुरू कर चुका था।
कैसी खराब किस्मत है!
रायबहादुर के पास वाली मूर्ति से भी काम नहीं बना!
अब पहले पुरिया के पास वाली मूर्ति को उठाना ही ठीक होगा!
शायद उसी से मेरा काम हो जाए!
वर्ना मामला बहुत खतरनाक हो जाएगा..

... क्योंकि चौथी मूर्ति, ध्रुव की बहन श्वेता के पास है!
और वहां से उसको उड़ाना लगभग असंभव काम है।

पुरिया की किस्मत अच्छी थी, क्योंकि इस वक्त वह अपने पूरे परिवार के साथ हिल-स्टेशन पर गया हुआ था।
पर उसका बंगला खाली नहीं था।
अत्याधुनिक हथियारों से लैस, पुरिया के सिक्योरिटी गार्ड बंगले की निगरानी कर रहे थे।
इधर तो तार लग गए। अब उस...
कोई ट्रक इधर आ रहा है!

पर अगले ही पल - पहरेदार की सांस गले में ही रुक गई।

और उसकी आंखें आश्चर्य से फैलती चली गई।...

...ट्रक खाली नहीं था!

कड़' चरररच

य...यह क्या है?

इसपर गोलियां चलाओ!

गोलियां चलीं तो जरूर...
...लेकिन रोबोट वामन के शरीर पर हल्के से गड्ढे करने के अलावा और कुछ नहीं कर पाईं।
तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़
ये मूर्ख खामख्वाह में मेरा वक्त बर्बाद कर रहे हैं।
जबकि मेरे पास बहुत कम समय है!
और फिर रोबोट का कहर पहरेदारों पर टूट पड़ा।
'रोबोट वामन' के सामने पहरेदार चींटियों से ज्यादा और कुछ नहीं थे।
और रोबोट ने उनको उसी तरह से मसल दिया।
चंडिका और नताशा के घटनास्थल तक पहुंचने से पहले ही मैदान एक बार फिर साफ हो चुका था।
ओ गॉड!
यहां पर तो बौना वामन ने रोबोट से तबाही मचा दी है!
बिना कुछ सोचे नताशा का पैर एक्सीलेटर पर दबता चला गया।
धड़ाक
और कार एक कर्णभेदी धमाके के साथ रोबोट के पैर से जा टकराई।
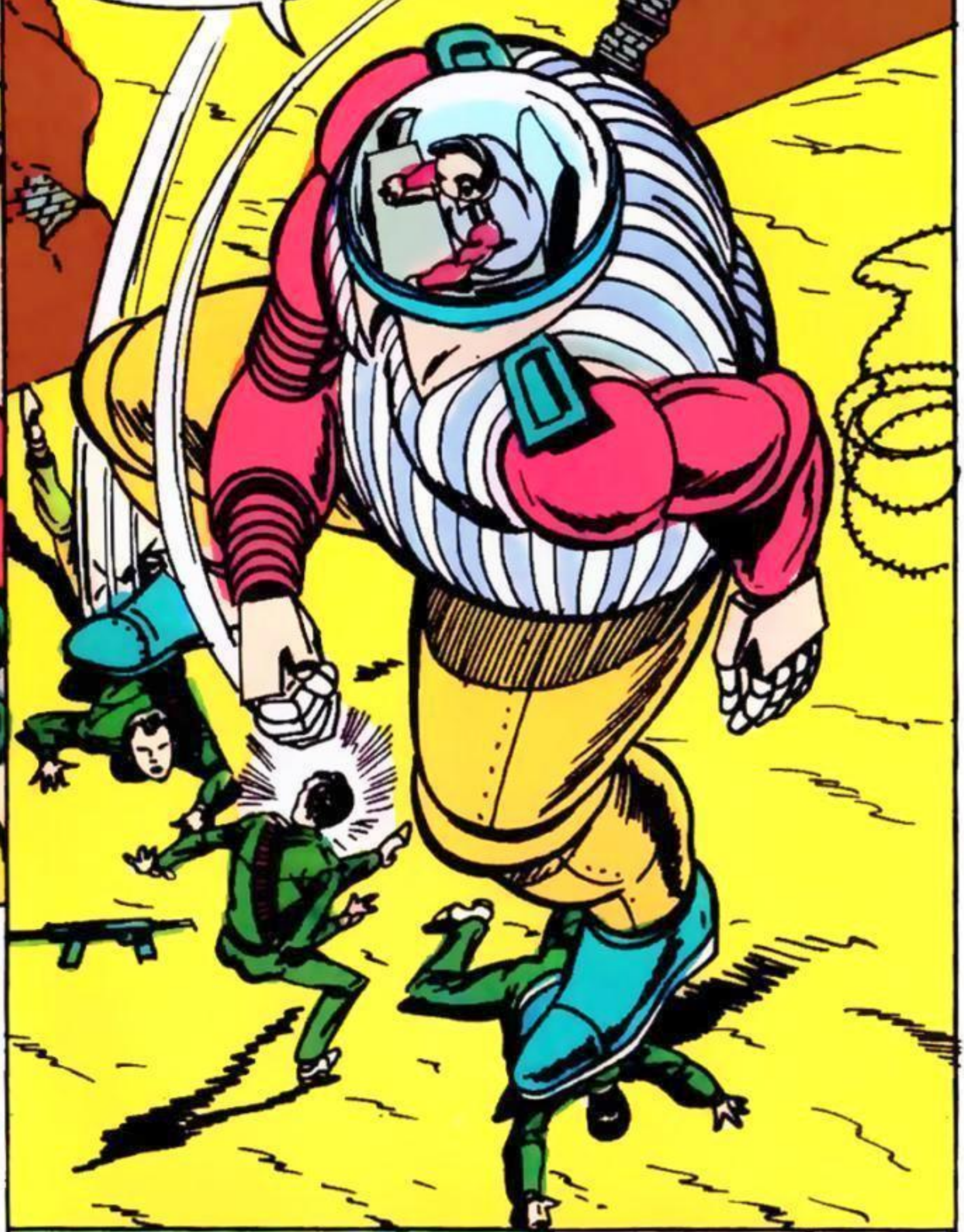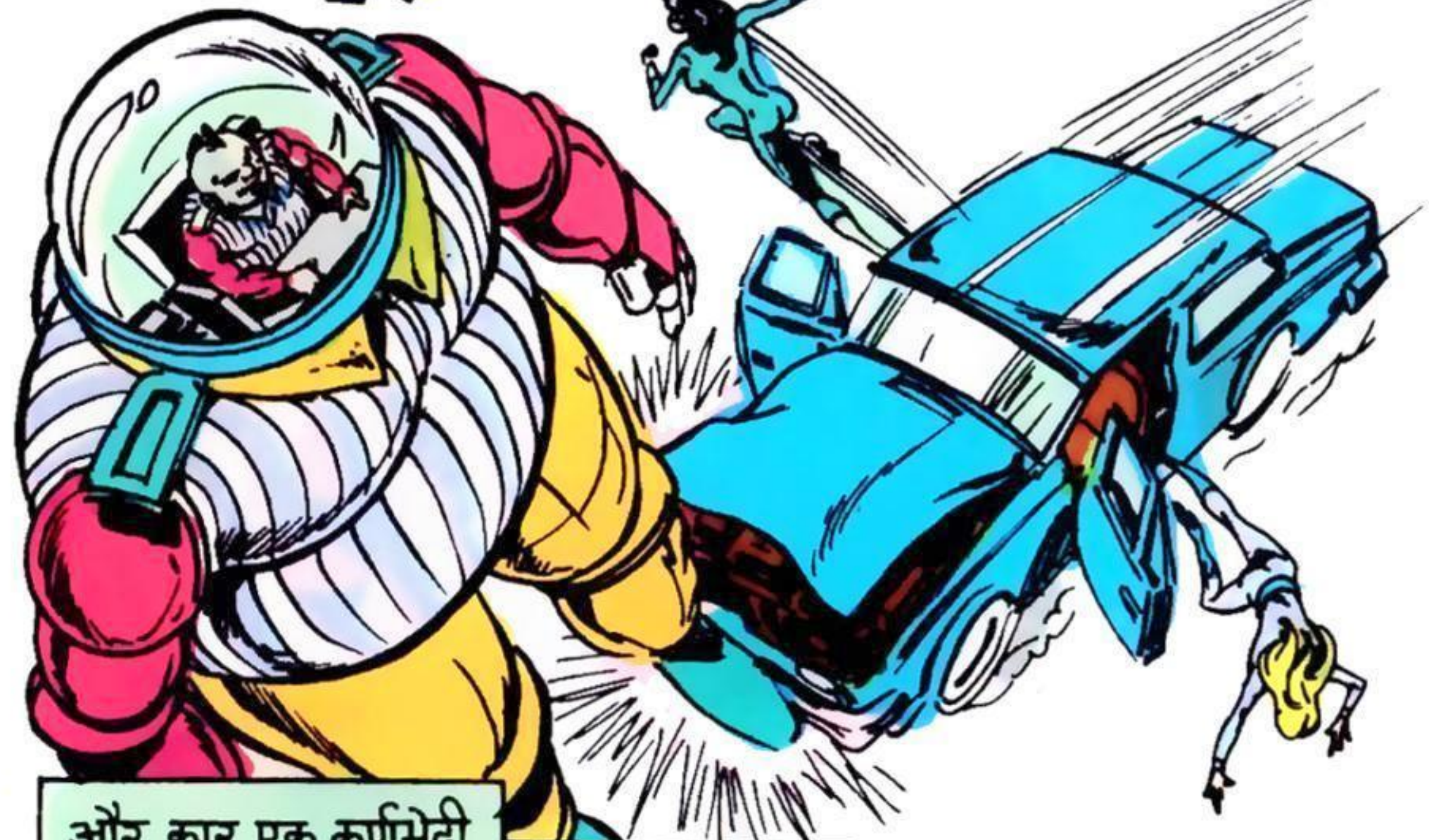
यह तो हिला तक नहीं, चंडिका! अब हम इसको कैसे रोकेंगे?
घबराओ मत, नताशा! मूर्ति लेने के लिए इसको मकान के अंदर जाना होगा। और उसके लिए वामन को रोबोट से बाहर निकलना होगा!
हम इसके बाहर निकलने का इंतजार करेंगे!
पर वामन को बाहर निकलने की कोई जरूरत नहीं थी।
रोबोट के एक जोरदार वार से ही पूरी दीवार नीचे आ गिरी।
धड़ाक
मुझे मालूम है कि मूर्ति किस कमरे में रखी है!...
और वहां तक पहुचने के लिए मुझे सिर्फ तीन दीवारें तोड़नी पड़ेंगी!
चंडिका, हमको स्पेशल पुलिस फोर्स को बुलाना चाहिए।
फोर्स इसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी! अब हमको ही कुछ करना होगा!
पर क्या?
हमको इसके 'कंट्रोल-पेनल' तक पहुंचना होगा!
पर वह तो बहुत ऊंचा है!
तो हमको इसे नीचे लाना होगा।
और उसके लिए इस रोबोट को गिराना होगा!
नताशा, जल्दी से सारी गोलियां निकाल लो!

कुछ पलों बाद ही- दर्जनों कड़े और गोल कारतूस जमीन पर इधर से उधर लुढ़क रहे थे।
-जिनपर पैर पड़ने के बाद-
संतुलन बनाए रखना एकदम असंभव था।
देखा, नताशा? कंट्रोल पैनल नीचे आ गया!
मैं अभी इसे तोड़कर वामन को बाहर... ओह नो!
यह शीशा बुलैटप्रूफ है!!
कड़ाक
पर कम से कम हम इसको लोहे के तार से तो बांध ही सकते हैं।
पर इससे पहले कि -चंडिका अपना काम पूरा कर पाती-
रोबोट उठकर खड़ा होने लगा।
और साथ ही चंडिका का शरीर भी हवा में उठने लगा।
?
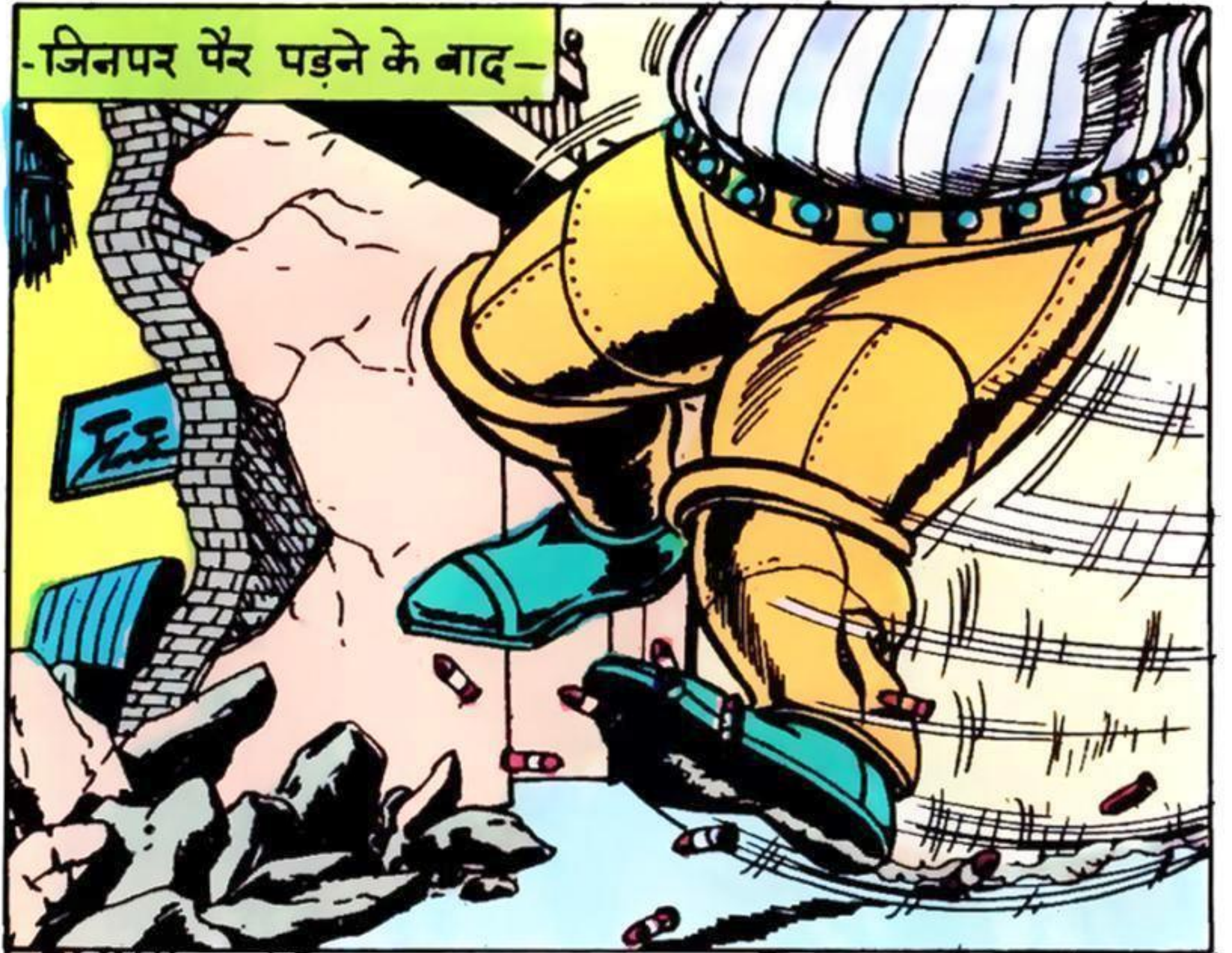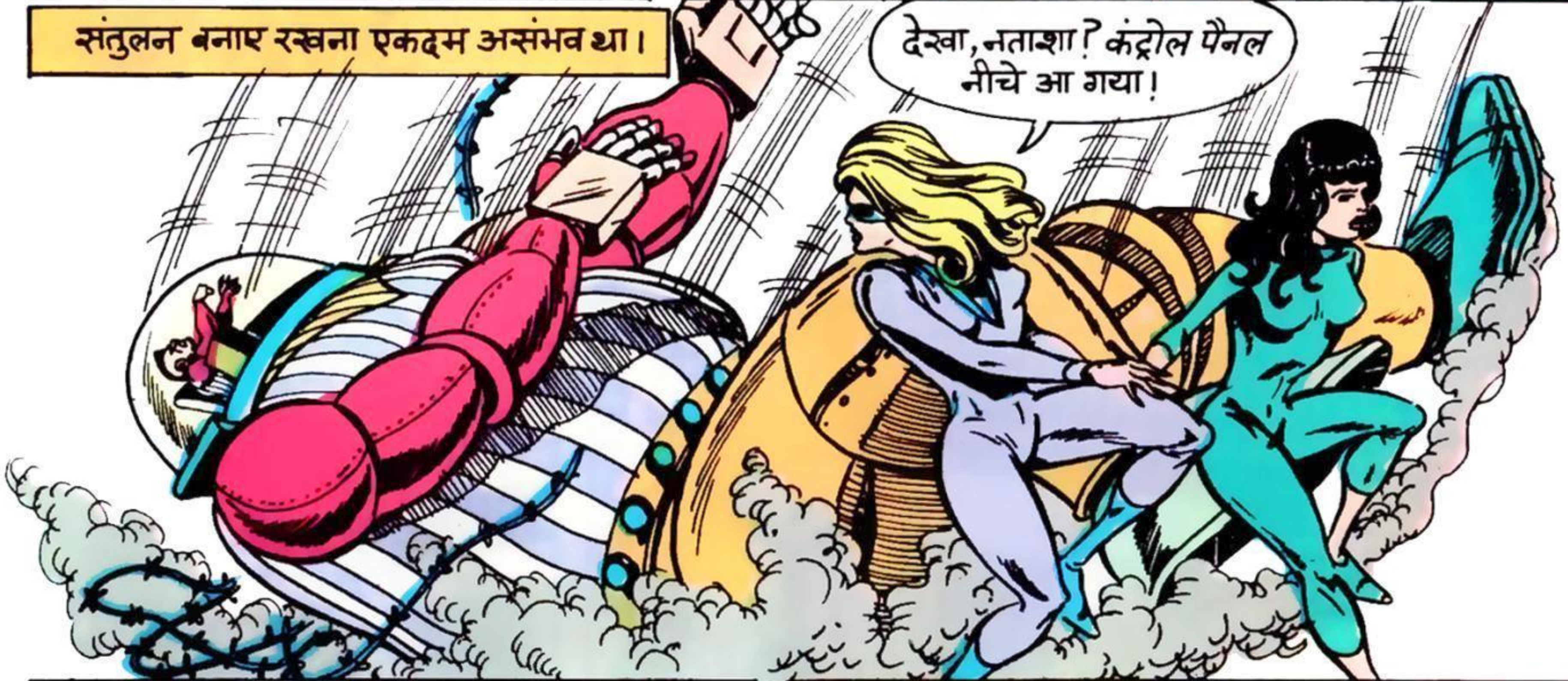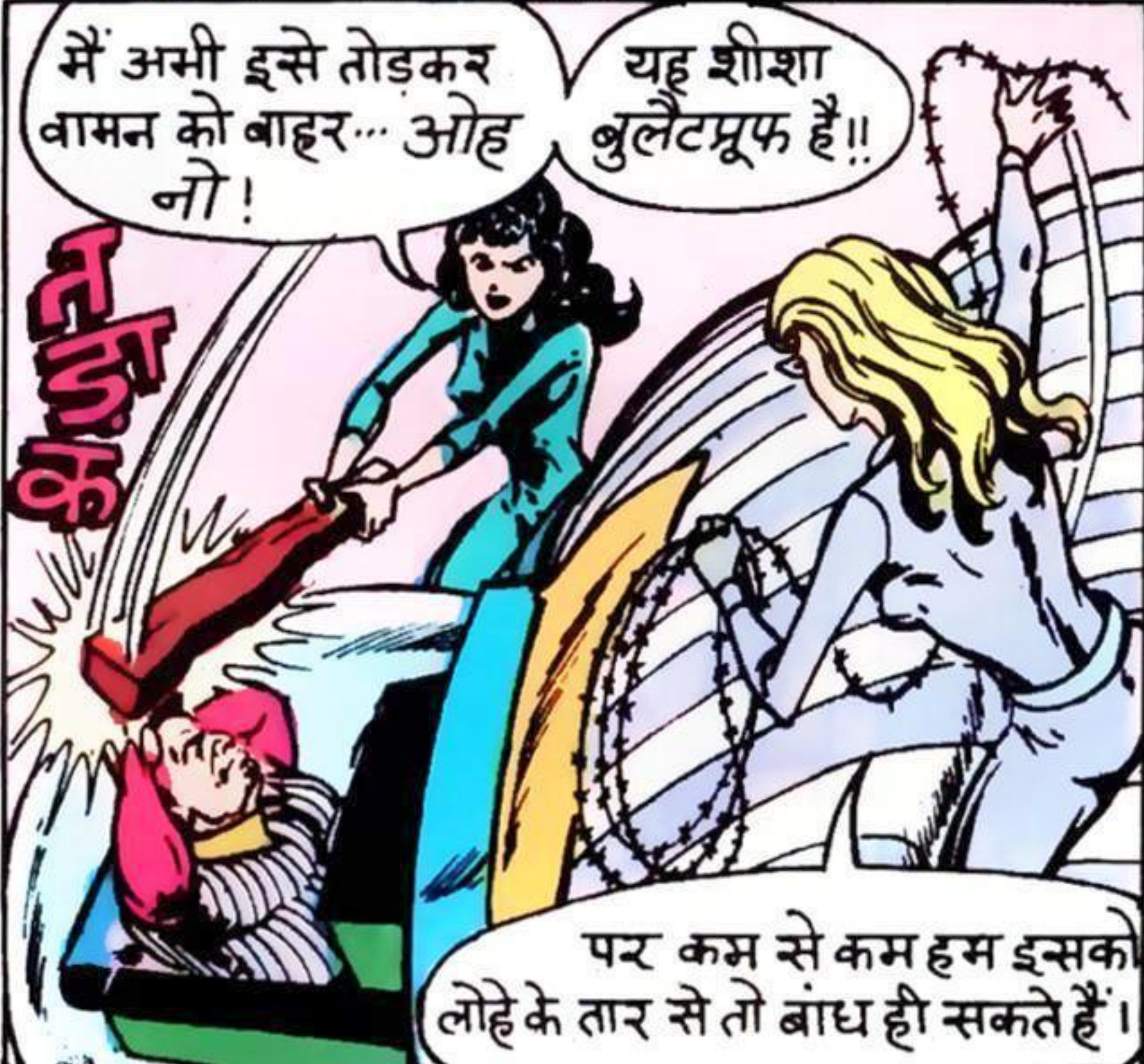
और उसी वक्त चंडिका के दिमाग में एक नया प्लान कौंध गया।
नताशा, अगर यह टिन का बक्सा छत की ऊंचाई से गिरेगा, तो कबाड़ी बाजार में बिकने लायक हो जाएगा।
मैं समझ गई, चंडिका।
नताशा ट्रक की तरफ दौड़ी।

और उसने लोहे के तार को ट्रक में कस कर बांध दिया।

ट्रक एक घरघराहट के साथ स्टार्ट हुआ।
और साथ ही, रोबोट वामन भी तेजी से हवा में उठने लगा।
घर्रर्रऊंऊंऊं

कुछ ही पलों बाद रोबोट वामन जमीन से कई फीट ऊपर हवा में लटक रहा था।
नताशा, खोल दो!
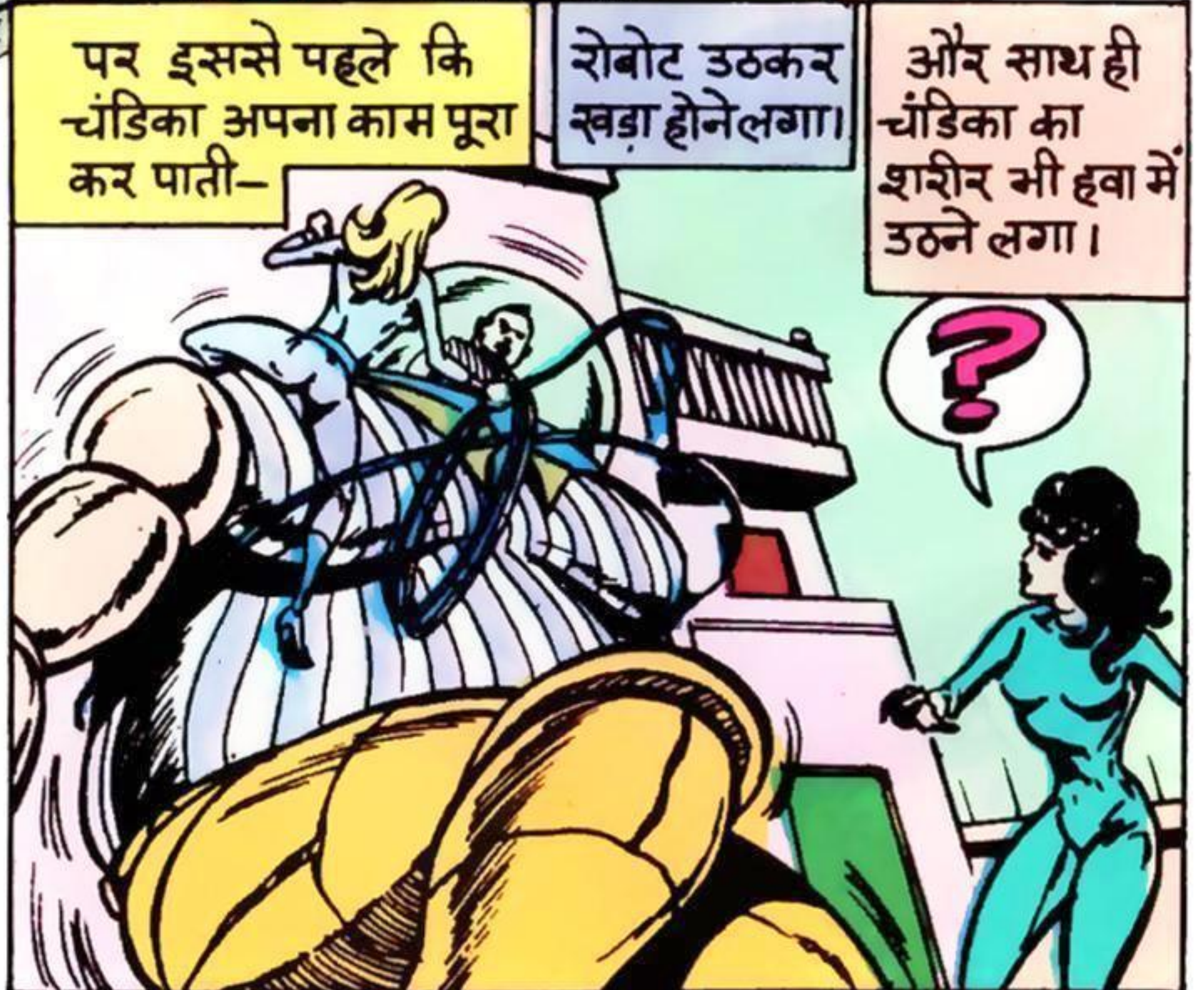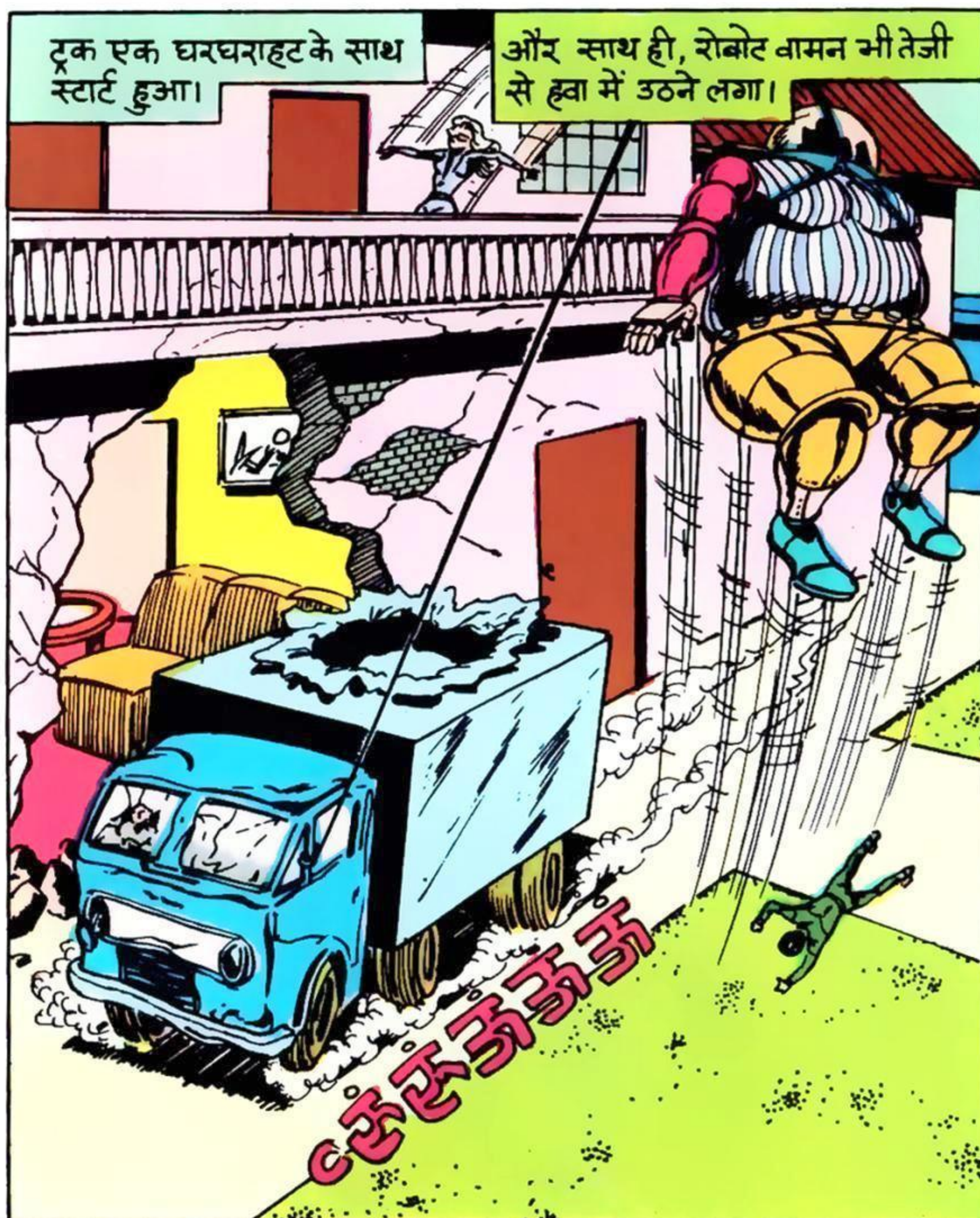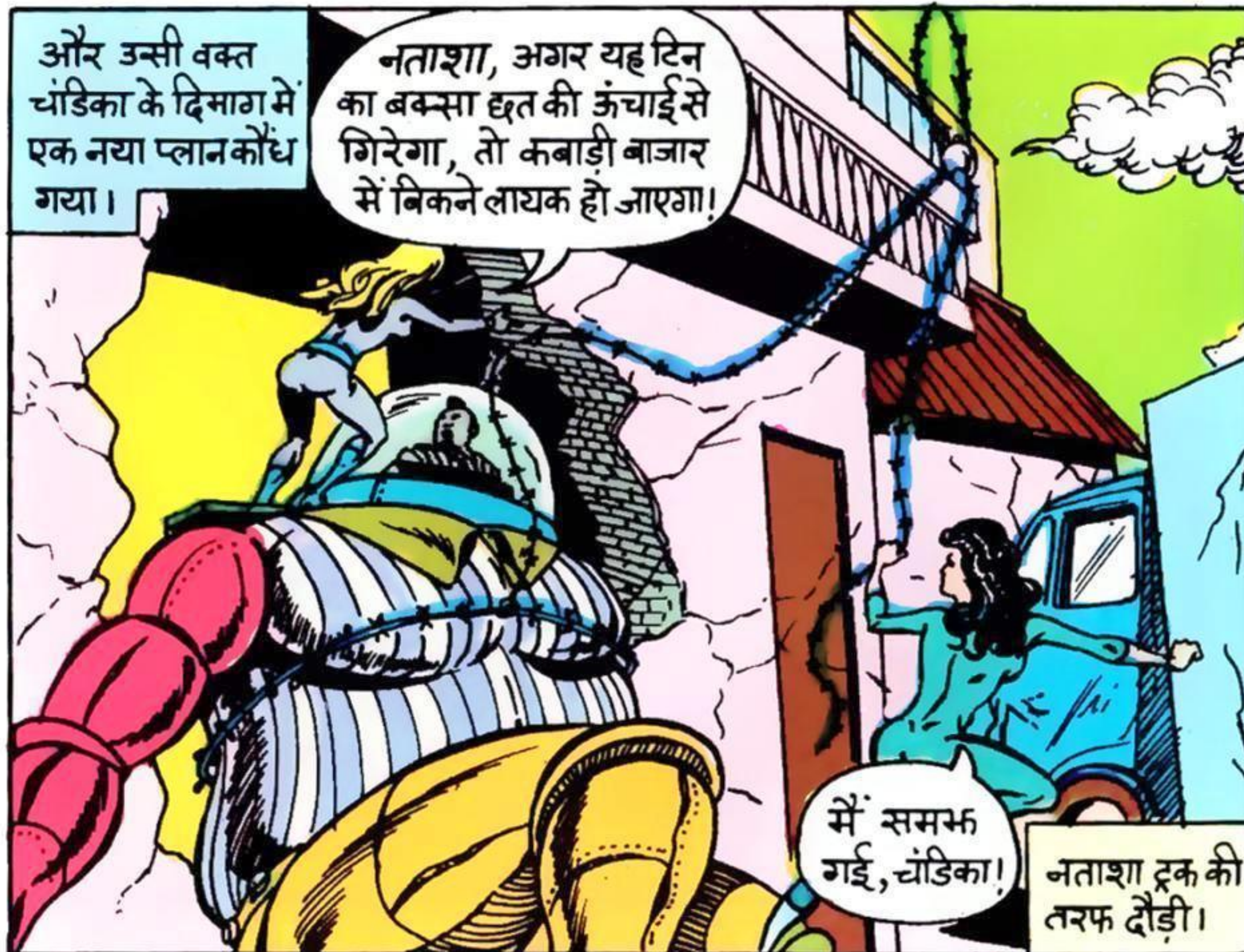
नताशा ने एक झटके से ट्रक में बंधे तार की गांठ खोल दी ...

... और रोबोट वामन धड़ाम से नीचे आ गिरा।

धड़ााामममम

चंडिका ने ब्रीफकेस को खोला।
और बक्से के अंदर अलग-अलग रंगों की कई रोशनियां चमकने लगीं।
हुम्म्ममममममममममम
साथ ही साथ एक मीठी गुनगुनाहट भी हवा में तैरने लगी।

और ब्रीफकेस के अंदर देख रही चंडिका और नताशा की आंखें पथराने लगीं।
हा हा हा हा हा!
वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है!
और इसबार की मेरी ट्रिक यह 'सम्मोहिनी यंत्र' था!

इस वक्त ये दोनों सम्मोहित लड़कियां पूरी तरह से मेरे वश में हैं!
जाओ, और मकान के अंदर से ध्रुव की मूर्ति उठाकर मेरे पास लाओ!
हाहाहा हाहा!

और वहां से कुछ किलोमीटर दूर-
दुश्मन देश के जासूस मामूद पर कड़ी नजर रखी जा रही थी।
मामूद उस दुकान में जा रहा है!
कुछ खरीदना होगा। उसपर नजर गड़ाए रखो।

पर मामूद पुलिस वालों से ज्यादा सतर्क था।
मूर्ख पुलिस वाले!
ये समझते हैं कि मैं यह नहीं जानता कि मुझपर नजर रखी जा रही है!...
..बल्कि ये लोग यह नहीं जानते...

...कि इस 'डिपार्टमेंटल स्टोर' में एक साइड डोर भी है, जो इस वीरान-सुनसान गली में खुलता है!
डिपार्टमेंटल स्टोर (केवल स्टाफ के लिए)
अब ये पुलिसवाले 'डिपार्टमेंटल स्टोर' को ही ताकते रह जाएंगे...

..और मैं आराम से खिसक...
हैं! कौन?
टक
टक

दूसरी तरफ - चुंग को भी कुछ ऐसी ही समस्या का सामना करना पड़ रहा था।
मैं 'ओबेराय होटल' से बोल रहा हूं, सर!
पुरुष
शिकार अभी यहीं पर है!
अभी वह टॉयलेट जा रहा है!

इस पुलिस वाले को शायद यह नहीं बताया गया है, कि मेकअप मास्टर चुंग, वेष बदलने में माहिर है!

अब मैं इस मूर्ख के बगल से ही, आराम से टहलता हुआ निकल जाऊंगा।
और यह टॉयलेट की चौकसी करता रहेगा।

कुछ ही मिनटों बाद- चुंग अपनी कार को स्टार्ट कर रहा था।
अब मुझे उस काम को निपटाना चाहिए, जिसके लिए मैं इस देश...
क..कौन?
'कौन' के इस रहस्य को हम यहीं छोड़कर...

..बौना वामन के गुप्त अड्डे पर चलते हैं।
जहां पर वामन अपनी किस्मत को कोस रहा है।
इस मूर्ति में भी कुछ नहीं है। अब तो आखिरी मूर्ति लानी ही पड़ेगी!
ऐसी किस्मत तो दुश्मन की भी न हो!

मेरा 'कंप्यूटर सेंटर' में चोरी करने का मुख्य मकसद, उस 'माइक्रो चिप्स' को चुराना ही था। पर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए, चलते-चलते मैंने एक फाइल भी उठा ली थी।

पर तभी अलार्म बज गया, और मुझे तेज़ी से भागना पड़ा। भाग कर मैं 'राज टॉय फैक्ट्री' में छुप गया।

पर जब मैं 'राज टॉय फैक्ट्री में छुपा हुआ था, और पुलिस ने मुझे घेर लिया था, तब मुझे यह डर लगने लगा, कि अगर पुलिस ने मेरी तलाशी ली, तो 'माइक्रो चिप्स' उनके हाथ लग जाएगी।

उस वक्त वहां पर ध्रुव की चार अधबनी मूर्तियां रखी हुई थीं। मैंने जल्दी से 'माइक्रो चिप्स' उनमें से एक मूर्ति के अंदर डाल दी।

धड़ाक

पर इससे पहले कि मैं मूर्ति पर कोई निशान लगा पाता।

दरवाजा टूट गया।

और मुझे पकड़कर नारका जेल भेज दिया गया।
उस 'माइक्रो चिप्स' को बेचने के लिए मेरी दो विदेशी सरकारों से सौदेबाजी चल रही है।

और उन दोनों ही देशों के जासूस 'माइक्रो चिप्स' पर बोली लगाने के लिए राजनगर में आ चुके हैं!
वे यहां पर ज्यादा समय तक नहीं रुक सकते हैं।
इसीलिए वह मूर्ति मुझे जल्दी से जल्दी हासिल करनी है!

दूसरी तरफ - ध्रुव के लिए बुरी खबरों का अंबार लगता जा रहा था।
क्या?
पुरिया के घर से मूर्ति के साथ-साथ नताशा और चंडिका भी गायब हैं?
हां, ध्रुव!
अब हमको यह नहीं पता, कि वे वामन का पीछा कर रही हैं, या वामन उनको बंधक बनाकर ले गया है!

और दूसरी बुरी खबर क्या है?
मामूद और चुंग पुलिस को चकमा देकर भाग निकले हैं।
इस वक्त वे कहां पर हैं, यह कोई नहीं जानता!

मामूद और चुंग मौजूद थे सुरक्षित जगह पर -.
कमांडो फोर्स के हैडक्वार्टर में।
आराम से बैठो, चुंग! हमारा काम अभी नहीं शुरू होना।
वैसे भी, अब सिर्फ एक घंटे की बात और है!
उसके बाद हमको 'रीगल बार' पहुंचना है।

जहां से शानि नाम का आदमी हमको वामन तक ले जाएगा!

दिन ढलता जा रहा था।
और ध्रुव की उलझन भी बढ़ती जा रही थी।
चंडिका और नताशा की अभी तक कोई खबर नहीं आई।
और मैं उनकी तलाश में निकल भी नहीं सकता।
क्योंकि अब वामन किसी भी वक्त यहां पर आ ...
अरे। ये बुलबुले कहां से आ रहे हैं?
ध्रुव ने मुड़कर देखा -
बौना वामन!
मुझे तुम्हारा ही इंतजार था।
पर मुझे यह उम्मीद नहीं थी, कि अपनी मदद के लिए तुम इन पिटे हुए राहू-केतु को लेकर आओगे।
इनको तो मैं सिर्फ सावधानी के लिए लाया हूं!
तुमसे निपटने के लिए तो मेरे बुलबुले ही काफी हैं!
हाहा! तो अब तुम मुझे साबुन के बुलबुलों से हराओगे?
ये साबुन के बुलबुले नहीं हैं, ध्रुवजी!
ये बुलबुले एक खास प्लास्टिक सोल्यूशन के हैं!
हवा के संपर्क में आने से इनका आकार बढ़ने लगता है!

और फिर इनका आकार इतना बढ़ जाता है, कि ये अपने अंदर पूरे एक आदमी को कैद कर लेते हैं।
एक बात और। इस बुलबुले को तोड़ना किसी पहलवान के भी बस की बात नहीं है!
क्योंकि यह प्लास्टिक बुलैटप्रूफ है!

तुम इससे कभी बाहर नहीं निकल पाओगे!
और दूसरी किसी मुसीबत से निपटने के लिए मेरे ये राहू-केतु बहुत हैं।
वामन सही कह रहा है! मैं इस नाजुक से दिखने वाले बुलबुले को तोड़ नहीं पा रहा हूं!
और वामन मूर्तिलेने के लिए अंदर जा रहा है।

इस बुलैटप्रूफ बुलबुले को तो कोई इससे भी ज्यादा मजबूत चीज ही तोड़ सकती है। और मेरे पास वैसी कोई चीज नहीं...! आहा!
मिल गई! मुझे वह मजबूत चीज मिल गई, जो इस बुलबुले को तोड़ सकती है! ...

और वह चीज है,...
राहू-केतु के बुलैटप्रूफ फाइबर की बनी पोशाक!
ध्रुव ने अपने बदन को मोड़ा..
..और प्लास्टिक का गोला लुढ़कता हुआ तेजी से

...राहू-केतु से आ टकराया।
धड़ाक

और इससे पहले कि राहू-केतु संभल पाते-
ध्रुव से भरा गोला एक बार फिर कसकर दोनों के शरीर से आ टकराया।
भड़ाक
और-
धड़ाक
वेरी गुड, दुष्ट ग्रहो! और कस कर मारो। क्योंकि मुझे इस गोले से बाहर निकलना है!
अब राहू-केतु के पास अपने बचाव के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा था। गोला एक बार फिर राहू केतु की तरफ बढ़ा –
ठक
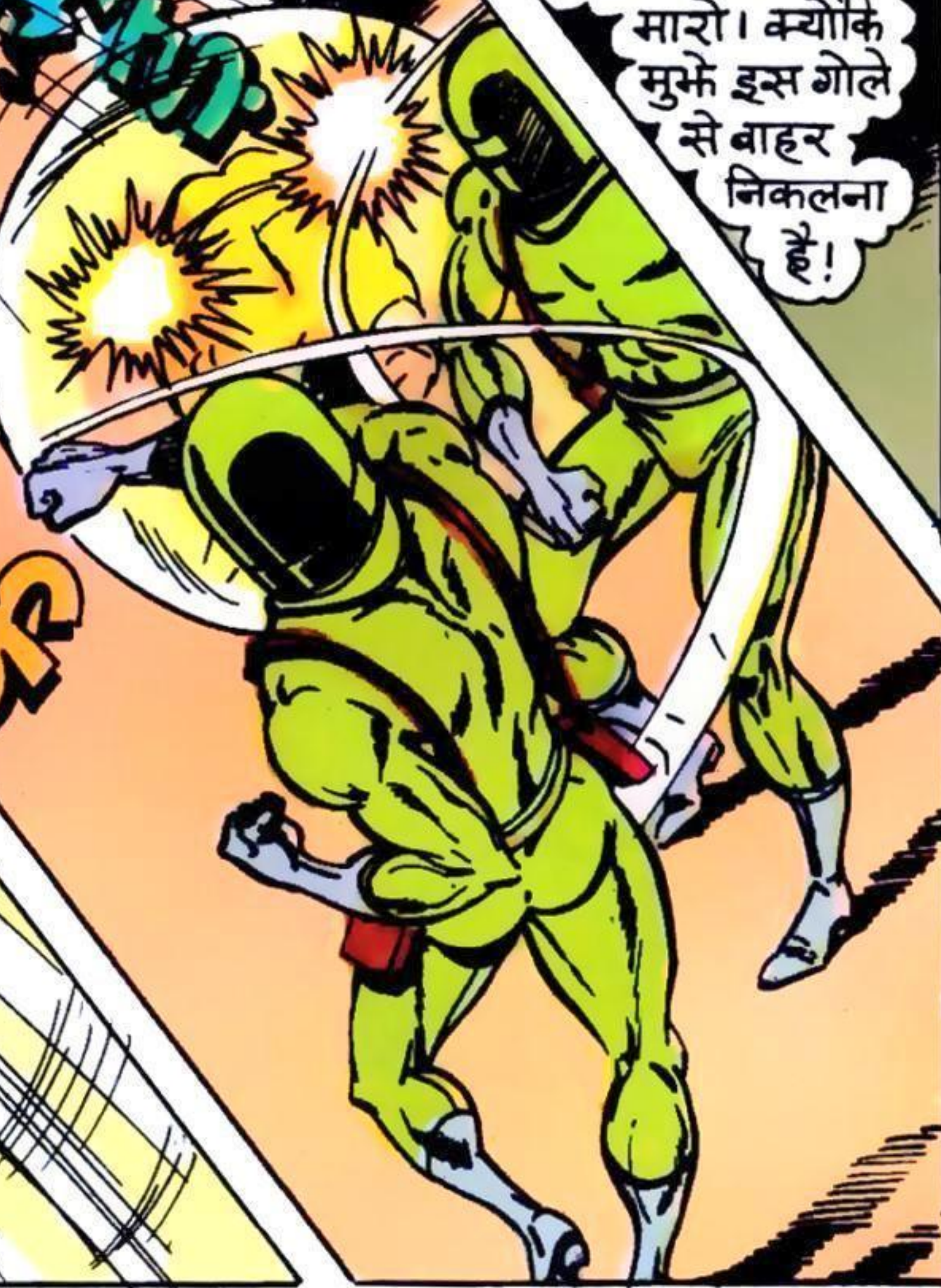
बुलैटप्रूफ फाइबर के कुछ ही घूंसे खाने के बाद, गोले में दरारें पड़ने लगीं।
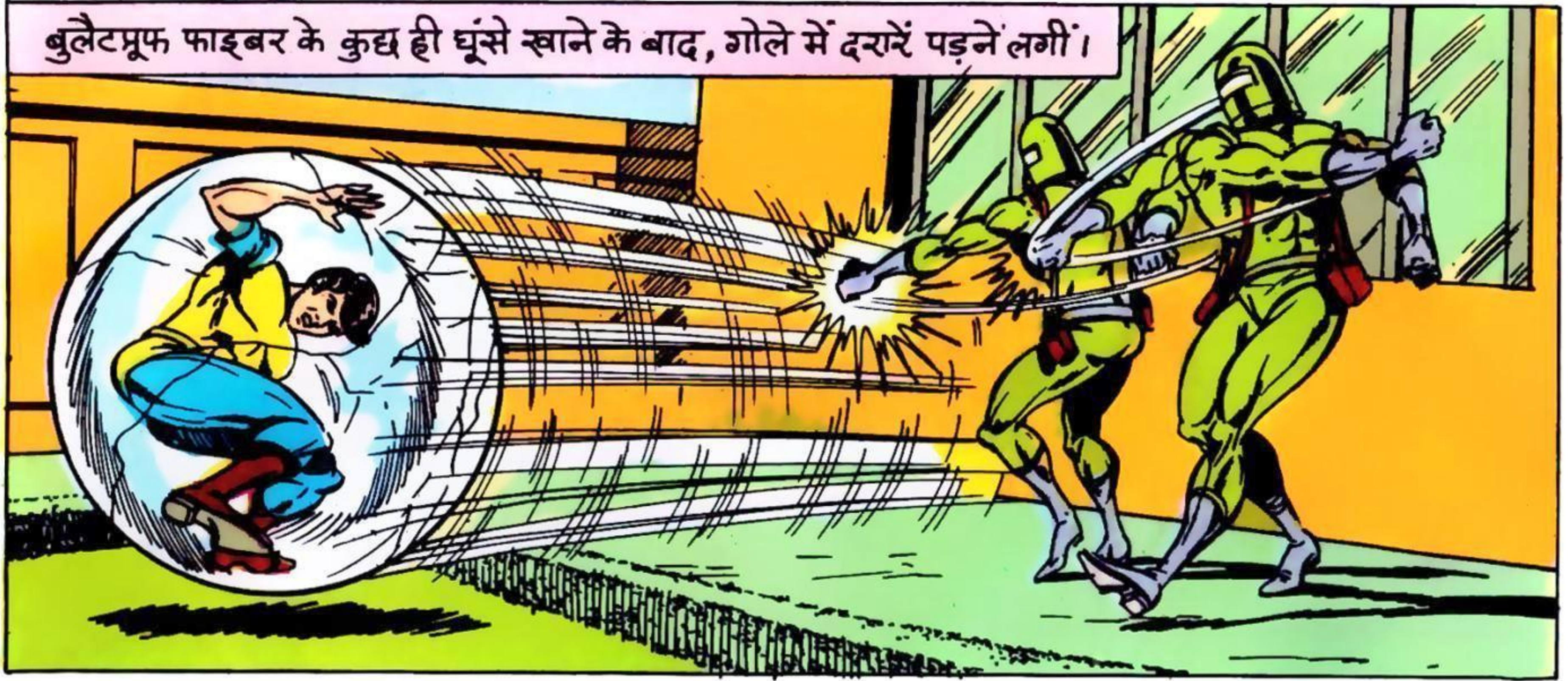
और ध्रुव आजाद हो गया।
मेरी 'लोहे से लोहे को काटने वाली' थ्योरी फिर कामयाब हो गई है!

अब मुझे घर के अंदर जाकर वामन को मूर्ति उठाने से रोकना है! वर्ना...

ओह!
यह तो मैं भूल ही गया था, कि जब तक ये दोनों दुष्ट ग्रह होश में हैं, तब तक मैं वामन तक नहीं पहुंच पाऊंगा!
धाड़

इसलिए इस बार में इनको पंद्रह सैकंड में ठिकाने...
अरे! ये इतने फुर्तीलि कैसे...
आऊ!
इनके सामने तो मेरी सारी फुर्ती बेकार साबित हो रही है!
कड़ाक
पता नहीं, वामन ने इन दोनों को कौन सा टॉनिक पिला दिया है!
धड़
मेरे घूंसों का वैसे भी इनपर कोई असर नहीं हो रहा है!
और इनके एक बुलैटप्रूफ घूंसे से ही मेरी सारी बत्तीसी हिल...
आह!
ढिशुं
इनको हराने के लिए मुझे सबसे पहले इनकी पोशाकों का इंतजाम करना पड़ेगा।...
...और शुरूआत...

...हैलमेटों से होगी!
ध्रुव का हवा में उड़ता बदन, राहू-केतु की हैलमेटों को उतारता हुआ...

जमीन पर आ गिरा।
ध्रुव ने तुरंत पलटकर राहू केतु की तरफ देखा, और -
नहीं!
यह नहीं हो सकता!!

ध्रुव के सामने राहू - केतु नहीं -
बल्कि उसके दो सबसे करीबी दोस्त खड़े हुए थे।
नताशा! चंडिका!!
य.. यह तुम लोग क्या कर रही हो?

इनकी आंखें और इनके चेहरे यह बताने को काफी हैं, कि इस वक्त इन दोनों को वामन ने, सम्मोहित करके अपने वश में कर रखा है!
और ऐसी हालत में, ये अंजाने में, मेरी हत्या भी कर सकती हैं!..

होश में आओ!
ये दोनों तो कुछ सुन ही नहीं रही हैं!

...और मैं इन दोनों पर किसी भी हालत में हाथ नहीं उठा सकता!
वामन ने यह वार मुझपर बहुत सोच-समझ कर किया है।

पर वामन यह नहीं जानता, कि किसी को बिना हाथ लगाए हराने के भी कई तरीके हैं।

मकान के अंदर - वामन अपनी मंजिल तक पहुंच चुका था।
मिल गई! मिल गई!! पर ध्रुव ने इसे बहुत छुपा कर रखा था। ढूंढने में काफी टाइम लग गया।

अब यहां से फूट लेने का वक्त आ गया है!
मामूद और चुंग को लेकर, शनि अब अड्डे पर पहुंचने वाला ही होगा!

बाहर- लड़ाई जारी थी। और ध्रुव लगभग हार चुका था।
अच्छा! तो ध्रुव इनकी असलियत जान चुका है!
वेरी गुड! अब यह मुझसे टकराने से पहले सौ बार सोचेगा!
चलो, गुलामो!
अब हमारे पास वक्त नहीं है!

आज वामन, ध्रुव के ही घर से, ध्रुव के करीबी दोस्तों की मदद से, चोरी करके भाग रहा था।
ट्र्र्र्र्र्र
और जमीन पर पड़े ध्रुव में इतनी भी ताकत नहीं बची थी, कि वह उठकर, भाग रहे वामन को रोकने की कोशिश करता।

या... या ध्रुव नाटक कर रहा था?
तो वामन मूर्ति लेकर भाग गया!
वेरी गुड!
र्र्र्र्र्र्र
अब मुझे वामन के अड्डे का पता चल सकेगा! और साथ में इन मूर्तियों का रहस्य भी!

मैंने उस मूर्ति में एक 'माइक्रो ट्रांसमीटर' लगा दिया था, जिसका रिसीवर मेरे पास है।
पिंग पिंग पिंग पिंग
अब इन सिग्नलों से मुझे यह पता चलता रहेगा कि मूर्ति कहां पर है!
और जहां पर वह मूर्ति होगी, वहीं पर वामन का अड्डा भी होगा।

और थोड़ी देर बाद ही -
मनोरंजन पार्क
पिंग पिंग पिंग पिंग पिंग!
सिग्नल इस 'मनोरंजन पार्क' के अंदर से आ रहे हैं।

ये सिग्नल मुझे ठीक वामन के अड्डे तक ले जाएंगे!
पर तभी- एक धमाका हुआ। और अगले ही पल रिसीवर के चिथड़े उड़ गए।
किसी ने मुझपर गोली चलाई है!
धांय
तड़ाक
और वह रहा मेरा संभावित हत्यारा!
अगले ही पल ध्रुव...
...अंधेरे में गायब हो गया।
?
अरे! कहां चला गया?
अभी-अभी तो यहीं पर ही था!
मैं अभी भी यहीं पर हूं!
फर्क सिर्फ इतना है कि पहले मैं तुम्हारे नीचे था, और अब मैं तुम्हारे ऊपर हूं।
तड़

रिसीवर के टूट जाने से तो सारा मामला ही गड़बड़ हो गया। अब इस लंबे-चौड़े पार्क में वामन के अड्डे को ढूंढना बहुत मुश्किल होगा।

यह गुंडा मुझे कुछ बता सकता था। पर इसको मैंने इतना कस कर मार दिया, कि अब तो यह कम से कम तीन-चार घंटे तक बेहोश रहेगा।
अब कोई नई तरकीब लगानी पड़ेगी।

पर वामन, ध्रुव के आने से अंजान नहीं था। -
मैं जानता था! मैं जानता था कि इसको जिंदा छोड़ना मेरी बेवकूफी थी।
पर अब मैं यह गलती दोबारा नहीं करूंगा।

केतु, हमको इस मुसीबत को जल्दी से जल्दी ठिकाने लगाना है।
क्योंकि अब मामूद और चुंग को लेकर शानी आता ही होगा।
ओ॰के॰, बॉस!
अब मैं इसकी लाश के साथ ही लौटकर आऊंगा।

बाहर- ध्रुव के हाथ सिर्फ निराशा ही लग रही थी।
ओफ! कहीं पर कुछ पता नहीं लग रहा है! ...
...अब तो सिर्फ भाग्य से ही वामन के अड्डे का पता चल...
तड़
टक

अरे! यह पत्थर जब जमीन से टकराया, तो ऐसी आवाज हुई, जैसे यहां की जमीन खोखली हो।
क्या यह हो सकता है कि वामन का अड्डा अंडर-ग्राउंड...

तभी-एक हल्की सी हरकत ने ध्रुव का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।
अरे! वह 'रोलर-कॉस्टर' की पटरियों से क्या लटक रहा है?
यह तो मेरी मूर्ति लग रही है!
और कुछ ही मिनटों बाद-ध्रुव उस जगह पर खड़ा हुआ था।
यह तो सचमुच मेरी ही मूर्ति है! पर अब इसके चिथड़े कर दिए गए हैं!
लेकिन इसको यहां पर लटकाने का क्या मतलब...?
तभी एक धड़धड़ाहट ने ध्रुव की विचारधारा को भंग कर दिया।
धड़ड़ड़
ड़ड़ड़ड़
'रोलिंग ट्रेन' गोली की रफ्तार से ध्रुव की तरफ बढ़ रही थी।
ओह! तो यहां पर मूर्ति को लटकाने का मतलब मुझे जाल में फंसाना था!
हाहाहा! भागो, ध्रुव! और भागो! पर अब तुम भागकर जाओगे कहां?...

... अब या तो तुम ट्रेन से टकरा कर अपने चिथड़े उड़वाओगे! ...
... या सैकड़ों फुट नीचे गिर कर अपनी हड्डियों का चूरा बनवाओगे!
तेज गति से फिसलती ट्रेन ध्रुव से एक फुट की दूरी तक आ गई –
और उसी पल ध्रुव ऊपर उछला।
भागना बेकार है! इस ट्रेन की स्पीड, मेरी स्पीड से दस गुना ज्यादा है! अब इसका सामना करने के अलावा और कोई चारा नहीं है!
अरे! ट्रेन इसके ऊपर से नहीं, बल्कि ये ट्रेन के ऊपर से निकल गया!!
पर यह बचकर जाएगा कहां? कुछ ही सैकंडों में ट्रेन वापस इस जगह पर आ जाएगी!
लेकिन जब ट्रेन वापस घूमी, तो-
अरे! कहां गायब हो गया? उसको तो इसी जगह पर होना चाहिए था!

अगले ही पल - केतु के पैरों के नीचे से ट्रेन निकल गई। -
य..यह क्या है? मैं ऊपर कैसे...?
ध्रुव!
छोड़ दो! मुझे छोड़ दो!
अगर तुमने मुझको यह नहीं बताया, कि वामन का अड्डा कहां पर है, तो मैं तुमको सचमुच छोड़ दूंगा!
नहीं! सॉरी, सॉरी! म..मैं गलत बोल गया! मुझे (गड़ब्) छ...छोड़ना मत!
तो फिर बताओ मुझको!
म..मुझे धमकाओ मत! मेरे एक... एक इशारे पर वामन चांडिका और नताशा को मौत के घाट उतार देगा! स..समझे?
मुझे उन गद्दारों की जान की कोई परवाह नहीं है। अभी तो तुम सिर्फ अपनी जान की फिक्र करो!
मुझे यकीन नहीं हो रहा है!
यह ध्रुव बोल रहा है?
मैं समझ रहा था कि दोनों लड़कियों को मारने की धमकी देकर, मैं ध्रुव से कुछ भी करा सकता हूं!
अब मेरे सामने एक ही रास्ता बचा है!
ध्रुव के साथ-साथ केतु को भी खत्म कर देने का!
अपनी मिनी मिसाइल से!...
... वर्ना केतु ध्रुव को इस अड्डे का पता बता देगा!

और अगले ही पल –
एक चमकती चीज को अपनी तरफ बढ़ते देख कर केतु बुरी तरह से भयभीत हो गया।
य... यह तो 'मिनी मिसाईल' है!
मुझे छोड़ दो! छोड़ दो!!
इतना भयभीत, कि न तो उसे नीचे गिरने की चिंता रही।...
...और न ही 'रोलर ट्रेन' से टकराने का डर!
धड़ाक
दो वस्तुओं के टकराने की, और हड्डियों के टूटने की कई भीषण आवाजें हुईं।
और हवा में गिरता हुआ केतु का शरीर अंधेरे में गायब हो गया।
हे भगवान! यह तो नीचे गिर गया!
और यह मिसाइल अब मेरी तरफ आ रही है!
इससे बचने के लिए मुझे आखिरी क्षण तक इंतजार करना पड़ेगा!
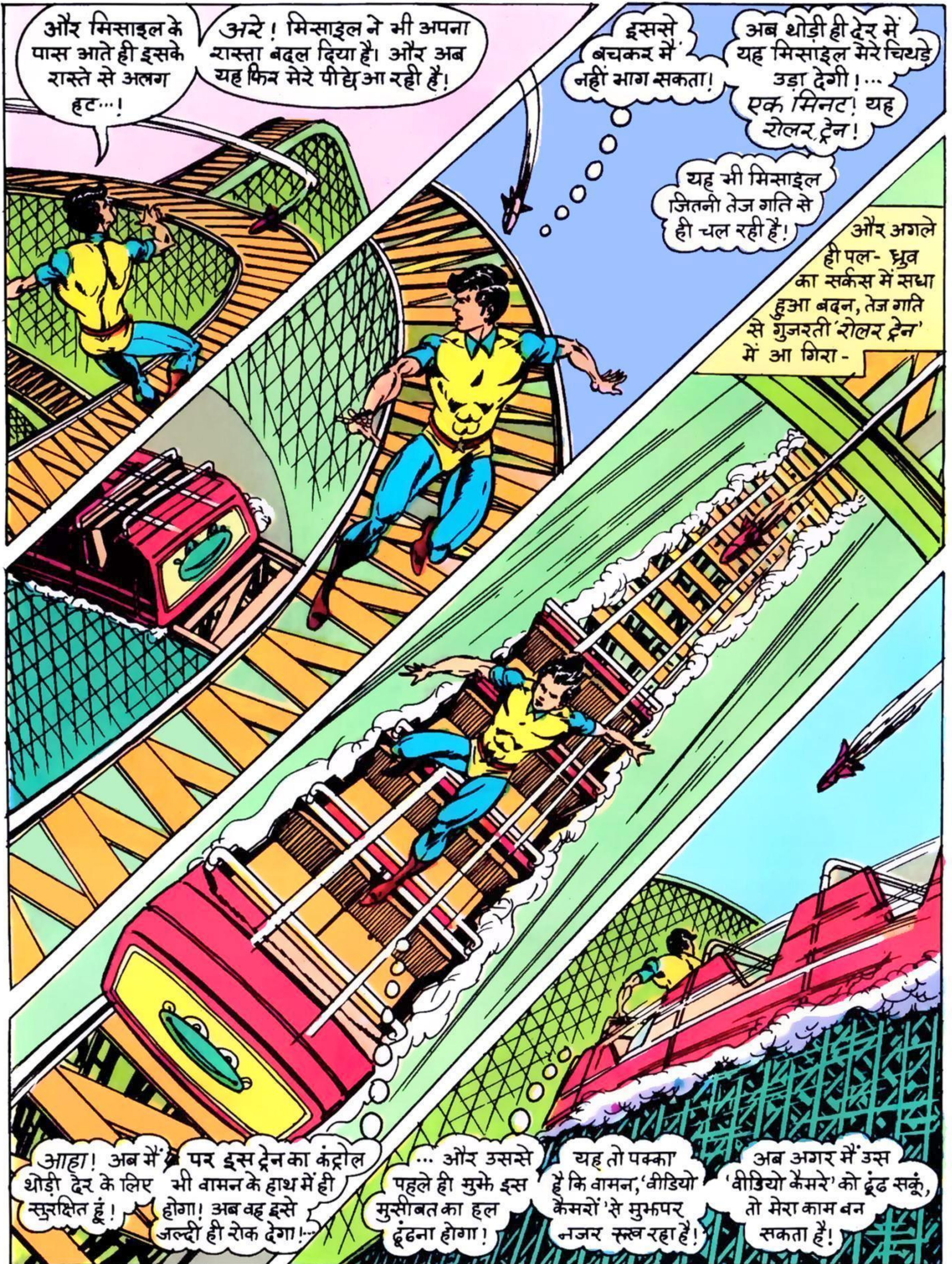
और मिसाइल के पास आते ही इसके रास्ते से अलग हट...!

अरे! मिसाइल ने भी अपना रास्ता बदल दिया है। और अब यह फिर मेरे पीछे आ रही है!

इससे बचकर मैं नहीं भाग सकता!

अब थोड़ी ही देर में यह मिसाइल मेरे चिथड़े उड़ा देगी!... एक मिनट! यह रोलर ट्रेन!

यह भी मिसाइल जितनी तेज गति से ही चल रही है!

और अगले ही पल- ध्रुव का सर्कस में सधा हुआ बदन, तेज गति से गुजरती 'रोलर ट्रेन' में आ गिरा-

आहा! अब मैं थोड़ी देर के लिए सुरक्षित हूं!

पर इस ट्रेन का कंट्रोल भी वामन के हाथ में ही होगा। अब वह इसे जल्दी ही रोक देगा!...

...और उससे पहले ही मुझे इस मुसीबत का हल ढूंढना होगा!

यह तो पक्का है कि वामन, 'वीडियो कैमरों' से मुझपर नजर रख रहा है!

अब अगर मैं उस 'वीडियो कैमरे' को ढूंढ सकूं, तो मेरा काम बन सकता है!

जल्दी ही - ध्रुव की सतर्क आंखों को कैमरा नजर आ गया।
वह रहा एक वीडियो कैमरा!
अब जैसे ही ट्रेन इसके पास पहुंचेगी, ...
... मैं कूदकर 'रोलर ट्रेन से अलग हो जाऊंगा!
पर ध्रुव की जो भी योजना थी...
...वह नाकामयाब होने वाली थी। क्योंकि मिसाइल ने ध्रुव का पीछा नहीं छोड़ा।
और मिसाइल अपने निशाने से जा टकराई।
एक कर्णभेदी धमाका हुआ। धुएं के गहरे बादलों ने सारे वातावरण को ढंक लिया।
बडाम
और जब धुआं छंटा, तो बौना वामन ने अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत दृश्य देखा।
स्क्रीन पर ध्रुव की क्षत-विक्षत लाश साफ नजर आ रही थी।
अरे, वाह, वाह! मैंने कितना महान काम कर डाला! मैंने ध्रुव को खत्म कर दिया!
अब मुझे किसी का भी डर नहीं रहा!
आज मेरी जिंदगी का सबसे सुनहरा दिन है!

आज वामन के लिए सचमुच सुनहरा दिन था।
उसका हर दांव सही पड़ रहा था।
बॉस! मैं दोनों मेहमानों को ले आया हूं!
आहा! मामूद और चुंग!
आओ, आओ! मुझे तुम दोनों का ही इंतजार था।

माल कहां पर है, बौना वामन?
यह रही! वह 'माइक्रो चिप्स', जिसमें भारत सरकार के कई अत्यंत महत्वपूर्ण रहस्य बंद हैं!
और जिसकी नीलामी के लिए मैंने तुम दोनों को यहां पर बुलाया है!

अब मैं 'माइक्रो चिप्स' की नीलामी को शुरू करता हूं।
बोली दस करोड़ से शुरू होगी!
चलो, जो ज्यादा बोली लगाएगा, माल उसी का हो जाएगा!
मेरी बोली दस करोड़!
मेरी बोली भी दस करोड़!

तुम दोनों तो एकदम नौसिखिए लगते हो! नीलामी ऐसे नहीं होती है। तुम में से किसी न किसी को तो बढ़कर बोली लगानी ही पड़ेगी।
वर्ना मैं इस चिप्स को कैसे बेचूंगा?

अब तुम इसे किसी को नहीं बेचोगे, वामन!
ओह! तो तुम यह चिप्स मुझसे जबर्दस्ती छीनना चाहते हो, चुंग?
आधा सही, आधा गलत!
'जबर्दस्ती' ठीक समझे!

पर 'चुंग' गलत समझ गए!
मामूद और चुंग हमारे कब्जे में हैं, वामन! और उन लोगों ने सबकुछ उगल दिया है!
हम कमांडो फोर्स के कैडेट पीटर और करीम हैं!
और हम तुमको गिरफ्तार करते हैं!

पर तभी—

हैंड्स अप! अगर जरा सा भी हिले, तो खोपड़ी की जगह हवा मिलेगी!

शाबास, शनि! इनको ऐसे ही कवर किए रखना। तब तक मैं इन को बांधने के लिए रस्सी...

पर शनि का खेल खत्म हो चुका था।

तड़ाक

चंडिका! यह क्या कर रही हो?

हट जाओ वहां से! यह मेरा आदेश है!

तुम्हारे 'आदेश' को तो मैं अभी...

होश में आने पर, हमको समझ में नहीं आया, कि हम लोग कहां पर हैं, और ध्रुव से क्यों लड़ रहे हैं।

पर ध्रुव ने जल्दी से सारी स्थिति हमको समझा दी। और हमने ऐसा नाटक करना शुरू कर दिया, जैसे हम दोनों अब भी तुम्हारे 'हिप्नोटिक कंट्रोल' में हैं।

तो तुम लोग समझ रहे हो, कि तुम लोगों ने मुझे अपने जाल में फंसा लिया है!

पर तुम लोग फिर भूल गए, कि वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है!

जैसे यह मिनी स्मोक बम!

पलभर में चारों तरफ धुएं के बादल छा गए।

ओफ! कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है!

खौं खौं

अरे, मैं करीम हूं, भाई! मुझे क्यों पकड़ रहे हो?

अब ये सब काफी देर तक अंदर बंद रहेंगे!...

और तब तक मैं यह 'माइक्रो चिप्स' लेकर...

...यहां से भाग खड़ा होऊंगा!

य..यह आवाज!

वामन घूमा-

और उसकी सांस और धड़कन उसके सीने में ही रुक गई।
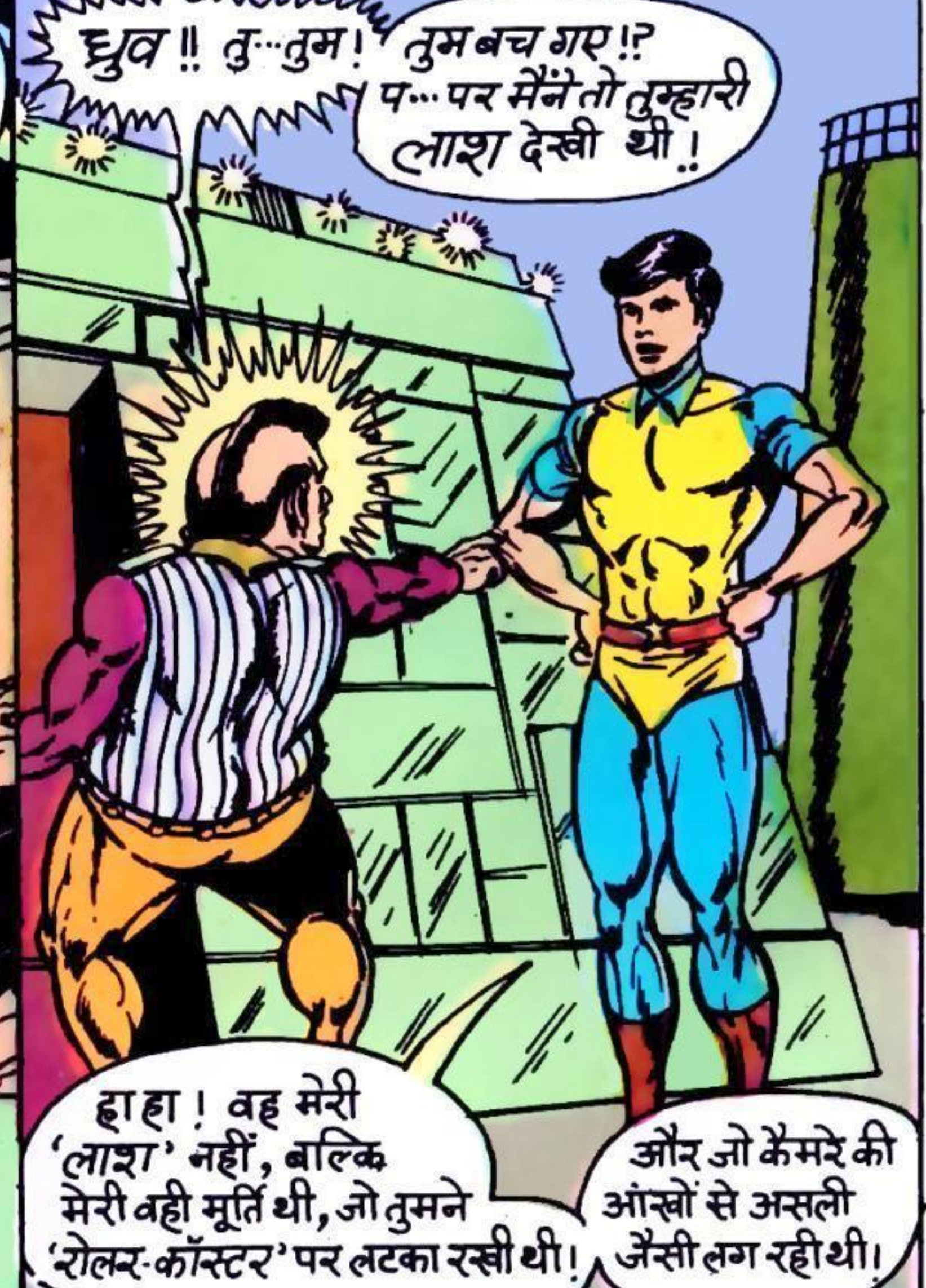
ध्रुव!! तु..तुम!

तुम बच गए!? प... पर मैंने तो तुम्हारी लाश देखी थी!

हा हा! वह मेरी 'लाश' नहीं, बल्कि मेरी वही मूर्ति थी, जो तुमने 'रोलर-कॉस्टर' पर लटका रखी थी!

और जो कैमरे की आंखों से असली जैसी लग रही थी।

तुम्हारी आसानी अभी मुश्किल होने वाली है, कमांडो! क्योंकि वामन एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है!

तड़

शीश महल

ओह! वामन भागकर 'शीशमहल' में छुप रहा है!

तो आओ!

मुझे पकड़ लो! आओ!

अरे! यह तो शीशा है!
छनाक
मैं इधर हूं, कमांडो!
यह भी शीशा है!!
यहां आओ! मैं इधर हूं!
...और इधर हूं!
...और इधर भी!
यह शीशे का घर है, सुपर कमांडो! और इसके हर शीशे में मेरी ही परछाई है!
पर असली वामन कहां है, यह तुम कभी नहीं जान पाओगे!

मरते दम तक भी नहीं!
खच
ओह!
यह मुझपर ब्लेड सी तेज धार वाली डिस्को से हमला कर रहा है!
और मैं यह पता नहीं कर पा रहा हूं,...
...कि इनमें से असली वामन कौन सा है!
सट
खचाक
खच
यह तो परी कथाओं के जैसा युद्ध लग रहा है!...
...जिसमे मायावी राक्षस एकसाथ दस जगहों पर प्रकट होकर युद्ध करता था!
और इस युद्ध में मायावी राक्षस बौना वामन का पलड़ा धीरे-धीरे भारी होता जा रहा है!
सट
खट
क्योंकि यह मुझपर जगह बदल-बदल कर हमला कर रहा है! और मेरे लिए यह पता करना असंभव हो रहा है, कि असली वामन कहां पर है!
ज्यादा खून बहने से मुझपर कमजोरी और बेहोशी छाती जा रही है!
अब तो लगता है कि मौत सिर्फ चंद कदमों की दूरी पर है!

चारों तरफ लगे शीशों में, *हिप्नोटिक यंत्र* की रंगीन रोशनियां चमक उठीं। खतरे का आभास न हो पाने के कारण, वामन, चंडिका की तरह आंखें मूंद नहीं सका।

बेहोश से हो रहे ध्रुव की आंखें पहले से ही बंद थीं।

और पलभर में - वामन की आंखें पथरा कर फैल गईं।
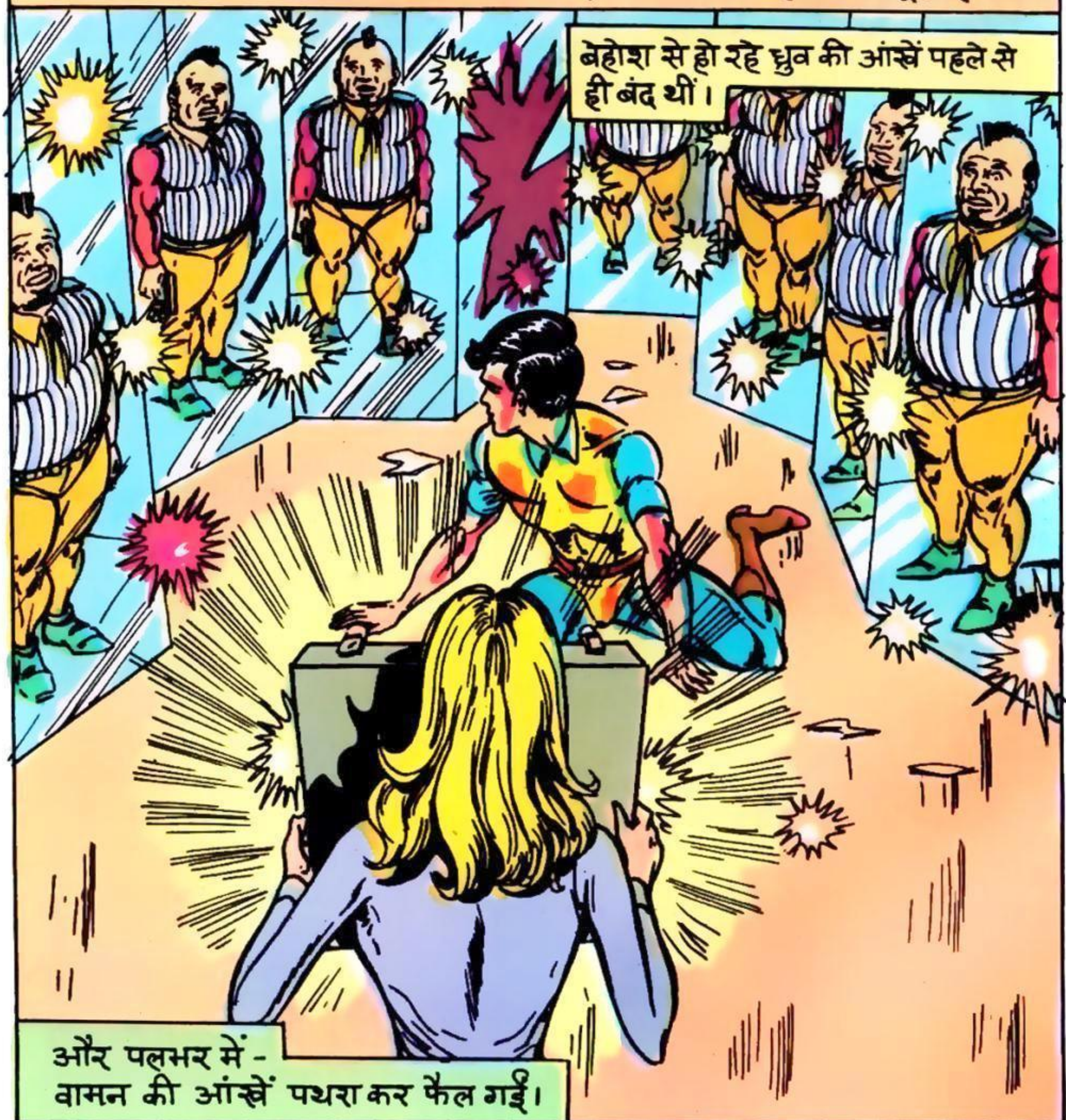
अब तुम बाहर निकल कर 'माइक्रो चिप्स' मेरे हवाले कर दो, बौना वामन!
सम्मोहित बौना वामन ने किसी आज्ञाकारी बच्चे की तरह चंडिका की आज्ञा का पालन किया।

भारत की एक अमूल्य वस्तु अब कानून के रखवाले की बंद मुट्ठी में सुरक्षित थी।
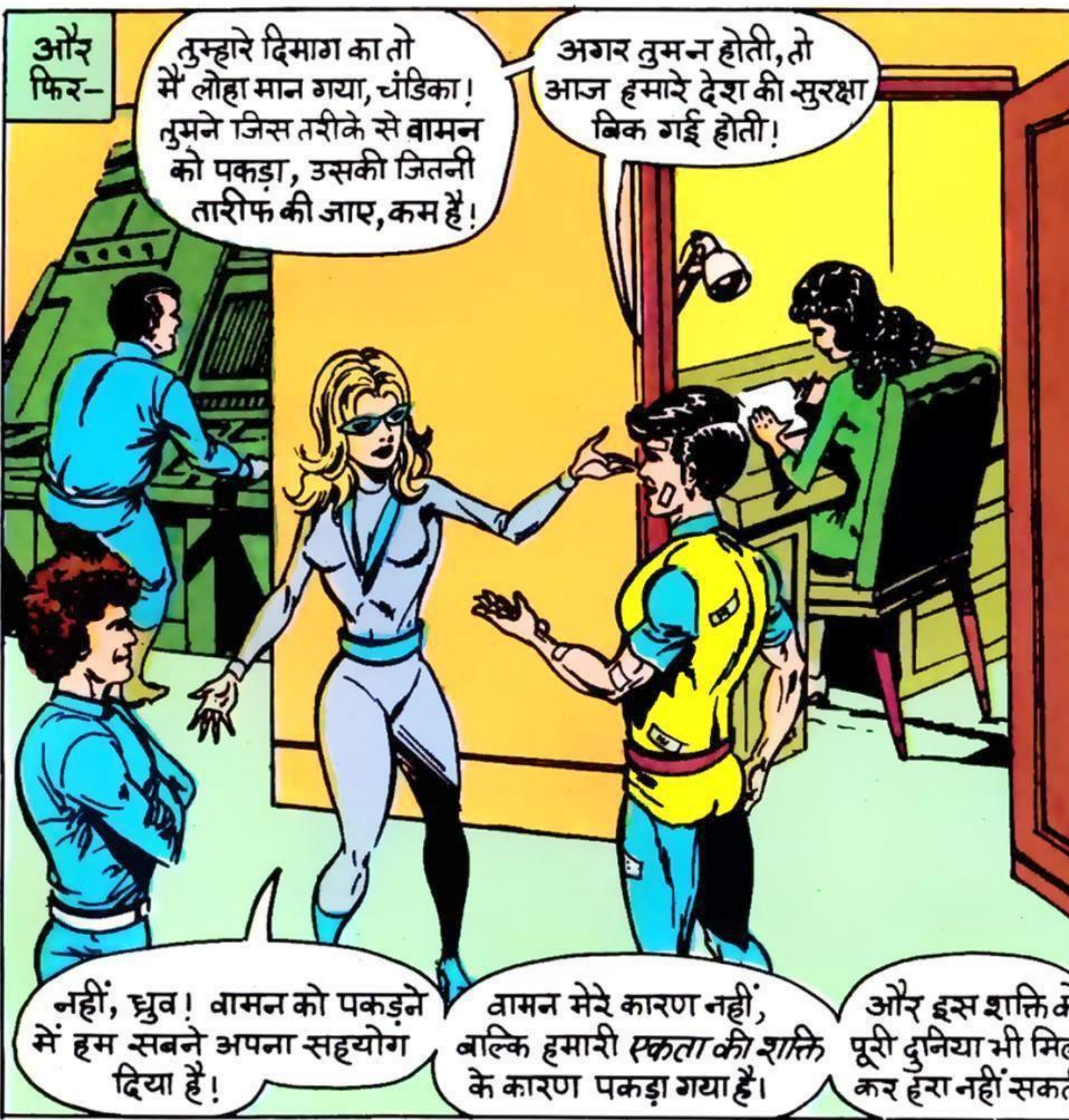
और फिर–
तुम्हारे दिमाग का तो मैं लोहा मान गया, चंडिका! तुमने जिस तरीके से वामन को पकड़ा, उसकी जितनी तारीफ की जाए, कम है!
अगर तुम न होती, तो आज हमारे देश की सुरक्षा बिक गई होती!
नहीं, ध्रुव! वामन को पकड़ने में हम सबने अपना सहयोग दिया है!
वामन मेरे कारण नहीं, बल्कि हमारी एकता की शक्ति के कारण पकड़ा गया है।
और इस शक्ति को पूरी दुनिया भी मिल कर हरा नहीं सकती।

और नारका जेल में –
इस बार इन लोगों ने मुझको रबर के मामूली खिलौने दिए हैं! पर मैं इनको भी हथियार बनाने का रास्ता ढूंढ ही लूंगा! वह दिन जरूर आएगा!
...और वह दिन ध्रुव और उसके साथियों की जिंदगी का आखिरी दिन भी होगा!
समाप्त

नारी का सम्मान बचाने, पुरुष का अहंकार जलाने...
आदि शक्ति
राज कॉमिक्स में
शक्ति सीरीज का
रोमांचक कॉमिक
शक्ति वर्ष
1998
by Anupam Vinod
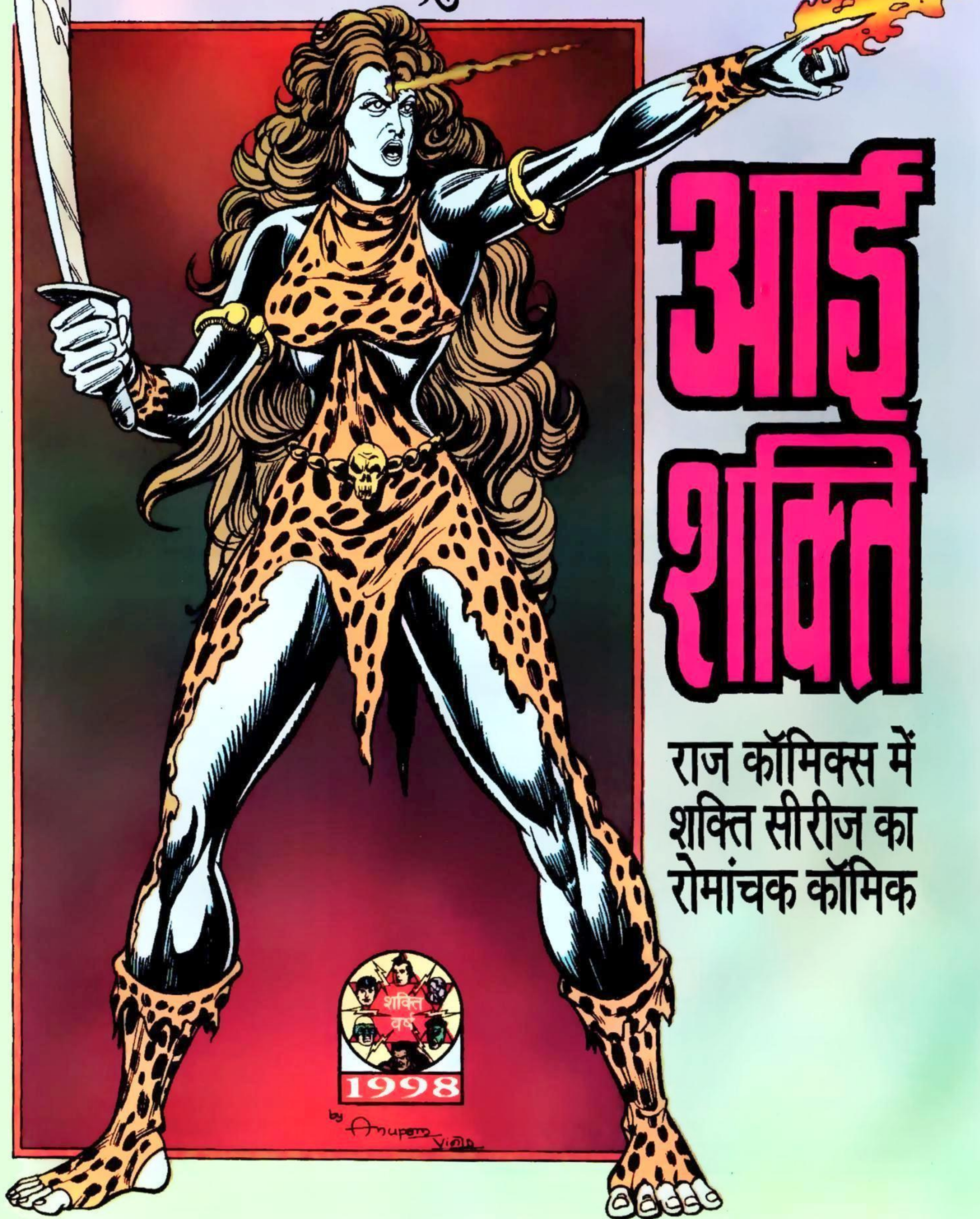
435
64
54
56
66
Team RCJ...
77
265
02
63
67